RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शनिवार ●04 मई , 2024 वर्षः-12 अंक-6 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

नहीं मिल रहा साथ, बंगाल पुलिस बाधा डाल रही मीलॉर्ड

संदेशखाली केस में सीबीआई ने कलकत्ता हाईकोर्ट में की शिकायत

कोलकाता (एजेंसी)। संदेशखाली कांड को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार से मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो

(सीबीआई) के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में केंद्रीय जांच एजेंसी को सहयोग करने के लिए राज्य सरकार अधिक पुलिस बल को भेजे।

अदालत की निगरानी में हो रही जांच पर सीबीआई की अंतरिम रिपोर्ट पर हुई सुनवाई में शामिल वकीलों ने यह बात बताई। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम की खंडपीठ ने सीबीआई से शाहजहां शेख पर आरोप लगाने वाली महिलाओं के बीच विश्वास पैदा करने और महिला अधिकारियों को संदेशखली भेजने के लिए भी कहा। बता दें सीबीआई ने अदालत के सामने उल्लेख किया कि वह जमीन हड़पने की शिकायतों की ठीक से जांच नहीं कर पा रही है, क्योंकि राज्य के अधिकारी सहयोग नहीं कर रहे हैं। अदालत ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को भी संदेशखाली मामले में एक पक्ष बनने की अनुमति दी। बता दें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने ही घटनास्थल पर जांच टीमें भेजी थीं।

शहर के गांधीनगर में 5 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त

झाड़ियों में छुपा रखे थे शराब से भरे ड्रम-कुप्पे, जमीन पर बहाकर नष्ट की

भोपाल। भोपाल के गांधीनगर से 5 लाख रुपए से ज्यादा की अवैध शराब जब्त हुई है। आबकारी विभाग ने शुक्रवार सुबह यहां कार्रवाई की। शराब का अवैध कारोबार करने वालों ने शराब से भरे ड्रम और कुप्पे झाड़ियों में छुपा रखे थे। जब्त करने के बाद शराब जमीन पर बहाकर नष्ट की गई। जिला आबकारी कंट्रोलर आरजी भदौरिया के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। तीन से चार टीमों ने संयुक्त रूप से गांधीनगर के नई बस्ती, हरिओम नगर में दबिश दी। अचानक हुई कार्रवाई से हड़कंप मच गया। यहां से कुप्पों और ड्रमों से 390 लीटर हाथभट्टी शराब, 4560 किलो लाहन जब्त किया गया। मामले में 17 केस दर्ज किए गए हैं। शराब की कीमत 5 लाख 15 हजार रुपए आंकी गई है। एक अन्य कार्रवाई में सुभाष नगर स्थित आचार्य नरेंद्र देव नगर में एक महिला से 15 पाव प्लेन शराब जब्त की गई। बता दें कि एक दिन पहले गुरुवार को भी बैरसिया रोड के कई गांवों में आबकारी विभाग ने कार्रवाई की थी। कार्रवाई के दौरान 20 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई

पूर्व आईएएस समेत अन्य की 205 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग (धनशोधन) मामले में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने छत्तीसगढ़ के पूर्व

आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, रायपुर के महापौर के भाई और कुछ अन्य लोगों की 205 करोड़ रुपए की सम्पत्तियां कुर्क कर ली हैं। ईडी की तरफ से जारी एक बयान में बताया गया कि कुर्क की गई संपत्तियों में टुटेजा की 15.82 करोड़ रु की 14 संपत्तियां, रायपुर के मेयर और कांग्रेस नेता ऐजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर की 116.16 करोड़ रु की 115 संपत्तियां, विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू की 1.54 करोड़ रुपए की और अरविंद सिंह से जुड़ी 12.99 करोड़ रुपए की 33 संपत्तियां शामिल हैं। इनके अलावा भारतीय दूरसंचार सेवा के अधिकारी और एक्साइज विभाग के विशेष सचिव अरुणपति त्रिपाठी की 1.35 करोड़ रु की संपत्ति, त्रिलोक सिंह ढिल्लन की 28.13 करोड़ रु की नौ संपत्तियां, नवीन केडिया के 27.96 करोड़ रु के आभूषण और आशीष सौरभ केडिया/दिशिता वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की 1.2 करोड़ रु की चल संपत्तियां को कुर्क किया गया है। ईडी ने बताया कि अनवर ढेबर कुर्क की गई सम्पत्तियों में रायपुर स्थित होटल वेनिंग्टन कोर्ट भी शामिल है।

राजधानी की कबाड़ फैक्ट्री में लगी भीषण आग

● नरवाई की आग ने लिया चपेट में

भोपाल। भोपाल के बिशनखेडी स्थित एक कबाड़ की फैक्ट्री में आग लग गई। फैक्ट्री कैंपस में ही बने गोदाम में प्लास्टिक और लाइलोन का कई टन कबाड़ रखा था। जिससे आग की लपटों पर काबू पाने में मशक्कत करनी पड़ी। आग लगने की वजह खेत की नरवाई में लगी आग बताई

जा रही है। जिसने फैक्ट्री और गोदाम को भी चपेट में ले लिया। सूचना पर गांधी नगर समेत अन्य फायर स्टेशनों से 10 से ज्यादा दमकलें मौके पर पहुंची, और आग पर काबू पाया गया। यह फैक्ट्री केएन ट्रेडर्स के नाम से है। जिसके मालिक कामरान खान है। फैक्ट्री में कई टन कबाड़े का सामान रखा था जिसमें प्लास्टिक का सामान भी शामिल था। आग लगने की सूचना मिलते ही भोपाल से दमकलें मौके पर पहुंची और आग बुझाने लगी। गांधीनगर फायर स्टेशन के फायर फाइटर पंकज यादव ने बताया कि सबसे पहले नरवाई की आग बुझाई गई। ताकि फैक्ट्री में लगी आग ज्यादा नहीं फैले।

शक्सगाम घाटी में चीन की नापाक हरकत

● बना डाली सड़क, भारत सरकार ने भी उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर की शक्सगाम घाटी में चीन की नापाक हरकत सामने आई है। ताजा सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि चीन दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र के करीब पक्की सड़क बना रहा है। दरअसल चीन सियाचिन कॉरिडोर के करीब अवैध रूप से कब्जे वाले कश्मीर में

कंक्रीट सड़क का निर्माण कर रहा है। अब इसको लेकर भारत ने बड़ा कदम उठाया है। भारत ने जमीन पर स्थिति को बदलने के अवैध प्रयास के तहत शक्सगाम घाटी में निर्माण गतिविधियों को अंजाम देने को लेकर चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि शक्सगाम घाटी भारत का हिस्सा है और नई दिल्ली ने 1963 के तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को कभी स्वीकार नहीं किया।

कहीं भीषण गर्मी का 'कहर' तो कहीं बारिश ने घोला 'जहर'

● उत्तर पूर्वी राज्यों में बारिश का तांडव,लोगों का जीना हुआ मुहाल ● तीन राज्यों का देश के बाकी हिस्सों से टूटा संपर्क, कई लोग मरे

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण से लेकर उत्तर भारत तक गर्मी का कहर जारी है। इस बीच उत्तर पूर्वी राज्य असम में बारिश ने तांडव मचाया हुआ है। भारी बारिश के कारण असम के दिमा हसाओ जिले के कई इलाकों में भूस्खलन हुआ है। इसके कारण त्रिपुरा, मिजोरम और मणिपुर के साथ-साथ असम के बराक घाटी के कुछ हिस्से का देश के बाकी हिस्सों से अस्थायी संपर्क टूट गया है। आपदा प्रबंधन अधिकारियों के अनुसार गुरुवार को कछार और दिमा हसाओ में बिजली गिरने और भूस्खलन के कारण तीन युवकों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, कछार जिले में बिजली गिरने से दो नाबालिग लड़कों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि दो अन्य नाबालिग लड़कों को चोटें आईं और उनका एसएमसीएच में इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मृत लड़कों की पहचान दिलवर हुसैन (17) और जियाउल हुसैन (14) के रूप में की गई है। दोनों कचुदरम पुलिस स्टेशन के तहत गंगानगर भाग-2 गांव के निवासी थे। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, बिजली गिरने की

घटना दोपहर करीब 2 बजे हुई जब वे सभी मैदान पर खेल रहे थे। अगरतला से गुवाहाटी जा रही एक बस बुधवार रात दिमा हसाओ जिले के दिटोकचेरा में दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 27 वर्षीय त्रिपुरा निवासी डी देवबर्मन की मौत हो गई।

हाफलोंग-सिलचर सड़क का एक हिस्सा बहा

अधिकारियों के अनुसार, दिमा हसाओ जिले में मियुंगख्रो और हरंगाजाओ के बीच तेज बारिश के पानी से हाफलोंग-सिलचर सड़क का एक हिस्सा बह गया है, जबकि लुमडिंग और बदरपुर मार्ग के बीच रेलवे ट्रैक बह गया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने कहा कि बराक घाटी और त्रिपुरा को लुमडिंग से जोड़ने वाली अधिकांश ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है या पुनर्निर्धारित किया गया है। सिलचर-गुवाहाटी एक्सप्रेस, गुवाहाटी-बदरपुर टूरिस्ट एक्सप्रेस, रंगिया-सिलचर एक्सप्रेस, गुवाहाटी-दुल्लभचेरा एक्सप्रेस, सिलचर-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस, सिलचर-नाहरलागुन स्पेशल ट्रेन सहित कम से कम छह ट्रेनें 6 या 7 मई तक रद्द कर दी गई हैं। अगरतला-सिकंदराबाद स्पेशल समेत कुछ ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। सब्यसाची डे ने कहा कि विभाग क्षतिग्रस्त इलाकों की मरम्मत के लिए 24 घंटे काम कर रहा है। उन्होंने एचटी को बताया, हमने मरम्मत कार्यों के कारण अधिकांश ट्रेनों को रद्द कर दिया है या उनके समय में बदलाव किया है। हमें उम्मीद है कि कुछ दिनों में पटरियां तैयार हो जाएंगी।

पूरा क्षेत्र देश के बाकी हिस्सों से पूरी तरह से अलग

परिणामस्वरूप, असम और तीन पड़ोसी राज्यों के एक बड़े हिस्से सहित पूरा क्षेत्र देश के बाकी हिस्सों से पूरी तरह से अलग होने के कगार पर है। यात्रियों के मुताबिक, इसके कारण फ्लाइट का किराया काफी ज्यादा हो गया है। यात्रियों के अनुसार, सिलचर-गुवाहाटी और सिलचर-कोलकाता के बीच उड़ान का किराया प्रति टिकट 16,000 से अधिक हो गया है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, असम और पड़ोसी राज्यों में शुक्रवार को और रविवार से चार दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में बार-बार बिजली गिरने की सूचना मिली है।

दूसरों को सुनाते थे सजा आज वह खुद कठघरे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के दो सदस्यों को कड़ी फटकार लगाई है और उन्हें

● एससी ने बुरी तरह फटकारा, फिर थमा दिया अवमानना का नोटिस

अवमानना का नोटिस थमाया है। शीर्ष अदालत ने एक रियल एस्टेट फर्म के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने से परहेज करने के अपने 1 मार्च के आदेश का उल्लंघन करने के खिलाफ ये आदेश दिया है। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ के सामने सदस्य सुभाष चंद्रा और डॉ. साधना शंकर खुद पेश हुए थे। इन दोनों

ने शीर्ष अदालत के स्थगन आदेश के बावजूद रियल एस्टेट कंपनी के निदेशकों को गैर-जमानती वारंट जारी किए थे। आयोग के दोनों सदस्यों को पीठ ने कड़ी फटकार लगाई।

मेरी विधानसभा में 500 यादव भी नहीं फिर भी पार्टी ने मुझे मौका दिया:सीएम

सीएम मोहन यादव बोले-हम मोदी जी के पट्ठे हैं, किसी से भी नहीं डरते

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम डरने वाले नहीं हैं। डरने वाले, डरते होंगे...हम नहीं डरते। हम मोदी जी के पट्ठे हैं। मोदी जी की सरकार में इस बात को जोर-शोर से रखते हैं कि जो सनातन धर्म को गाली देने वाले हैं उनसे हिसाब चुकता करने के लिए जनता तैयार है। वे शुक्रवार को उत्तरप्रदेश के बदायूं लोकसभा के गुन्नौर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। सीएम डॉ. मोहन यादव ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में सभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के नेताओं पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री डॉ

मोहन यादव ने कहा- तीन-चार दिन बाद वोट डलने वाले हैं। यहां यदुवंशियों की बड़ी संख्या बैठी हुई है। यह हमारा सौभाग्य भी है कि हम ऐसे भगवान श्री कृष्ण से जुड़ते हैं जिन्होंने सदैव धर्म मार्ग पर चलना सिखाया। कभी धर्म से समझौता नहीं किया।

कांग्रेस-सपा के लोग देवदर्शन करने नहीं जाते

राहुल गांधी और गांधी परिवार पर हमला बोलते हुए सीएम ने कहा- यहां वे अमेठी-रायबरेली से गए केरल में अटके। और केरल से वापस लौटकर यहां आ रहे हैं। लेकिन, यहां आने-जाने में जिन दोनों दलों की दोस्ती हो गई। हम तो कहीं फॉर्म भरने जाते हैं तो श्रद्धा के साथ कहीं देव दर्शन कर लेते हैं लेकिन कांग्रेस और समाजवादी के लोग ना तो मथुरा में कृष्ण जी के दर्शन करने जा रहे हैं और ना भगवान राम के दर्शन करने जा रहे हैं। तो इनका आशीर्वाद मिलेगा कहां से ये केवल वोट लेने आएंगे। उनकी भगवान के ऊपर भरोसा और श्रद्धा नहीं है। यह इतने बड़े वर्ग का अपमान कर रहे हैं। भगवान राम के मंदिर का आनंद आ गया जैसे भगवान महाकाल का आनंद हो गया और बनारस का आनंद हो गया आप देखिए चुनाव के बाद की तैयारी है कि हम भगवान कृष्ण के मथुरा में आनंद करेंगे यह इनका योगी आदित्यनाथ का सपना है। जैसे ही मेरी सरकार बनी हमने कहा मध्य प्रदेश में अयोध्या के बाद चित्रकूट में प्राधिकरण बनाकर जहां भगवान राम के चरण पड़े पूरे राज्य के अंदर हर स्थान को तीर्थ बनाएंगे।

पंजाब में एसएडी ने एएपी-कांग्रेस पर लगाया मिलीभगत का आरोप

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अलग-अलग चुनाव लड़ रही है लेकिन अकाली दल ने उनके चुनाव लड़ने के तरीके पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अकाली दल ने आरोप लगाया है कि एएपी व कांग्रेस पंजाब में मिलीभगत के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। उनका आरोप है कि इंडिया गठजोड़ पंजाब में भी चल रहा है, सिर्फ पंजाबियों को बेवकूफ बनाया जा रहा है। अकाली दल की तरफ से सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते हुए लिखा- पंजाबियों को मूर्ख बना कर, आम आदमी और कांग्रेस पार्टी की आपसी मिलीभगत के साथ पक रही खिचड़ी का सारे लोगों को पता लग चुका है। जितनी मर्जी फिक्सिंग कर लो, पंजाबी आपके झांसे में नहीं आने वाले। अकाली दल ने आरोप लगाया कि 10 स्ट्रांग कैंडीडेट्स उतारे हैं।

मिशन लोकसभा

ना-ना करते आखिर यूपी से 'लड़' ही गए राहुल

अखिलेश ने किया असल खेल, कांग्रेस के साथ सपा कैंप में भी राहत

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की रायबरेली सीट से गांधी परिवार के राहुल गांधी के उतरते ही कांग्रेस ही नहीं सपा कैंप ने भी राहत की सांस ली है। राहुल गांधी के फैसले से अमेठी और रायबरेली सीट पर महीनों से चला आ रहा सस्पेंस भी खत्म हो गया है। दोनों ही सीटें कांग्रेस खासकर गांधी परिवार का गढ़ कही जाती हैं। पिछले कुछ दिनों से दोनों सीटों को लेकर जबरदस्त उथल-पुथल मची थी। स्थिति यह हो गई थी कि नामांकन खत्म होने से एक दिन पहले तक दोनों सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी तय नहीं हो पा रहे थे। अंततः नामांकन वाले दिन ही रायबरेली से राहुल गांधी और

अमेठी से केएल शर्मा का नाम फाइनली घोषित हो गया। इस दौरान पिछले तीन दिनों में पर्दे के पीछ बहुत कुछ हो गया। खुद अखिलेश यादव ने खड़गे से लेकर सोनिया और प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के थिंक टैंक कहे जाने वाले नेताओं से फोन पर कई बार बात की। दरअसल सपा प्रमुख अखिलेश यादव इस बात को लेकर परेशान थे कि 25 साल में पहली बार यूपी से गांधी परिवार का कोई नहीं लड़ने जा रहा है। अखिलेश को लग रहा था कि इससे यूपी में इंडिया गठबंधन की संभावनाओं पर भी असर पड़ सकता है।

सपा सूत्रों के अनुसार अखिलेश यादव ने सुबह-सुबह ही सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं से फोन पर बात की। सभी को बताया गया कि यूपी से गांधी परिवार के नहीं उतरने पर यूपी के साथ ही देश में भी इंडिया गठबंधन के लिए हानिकारक हो सकता है।

भोपाल की महिला डॉक्टर से जयपुर में हुआ रेप

● आरोपी डॉक्टर ने शादी का झांसा देकर बार-बार किया दुष्कर्म, बंधक बनाकर मारपीट भी की

भोपाल। भोपाल की महिला डॉक्टर से जयपुर में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी भी डॉक्टर है। जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल से पोस्ट ग्रेजुएशन कर रहा है। उसने युवती को शादी का झांसा देकर जयपुर बुलाया, फिर मर्जी के खिलाफ संबंध बनाए। जल्द शादी करने का भरोसा देकर चार महीने तक बार-बार ऐसा किया। युवती ने शादी का दबाव बनाया तो आरोपी अपनी बात से मुकर गया। इस पर महिला डॉक्टर ने भोपाल की खजूरी सड़क थाना पुलिस से शिकायत की। जहां जीरो कायमी कर केस डायरी जयपुर पुलिस को भेज दी गई। राजस्थान पुलिस ने जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल थाने में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, छिंदवाड़ा की रहने वाली 27 वर्षीय महिला डॉक्टर भोपाल के मेडिकल कॉलेज से पोस्ट ग्रेजुएशन कर रही है।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, शनिवार 04 मई , 2024

संक्षिप्त समाचार

ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने आए 979 नागरिकों ने मतदान की शपथ ली, शपथ पत्र भी भरे

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 शत प्रतिशत मतदान के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भरसट के निर्देशन में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिला परिवहन कार्यालय, विदिशा में प्रतिदिन ड्राइविंग लाइसेंस आदि कार्य हेतु आने वाले आमजनों को जिला परिवहन कार्यालय में मतदान करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है साथ ही साथ उन्हें मतदान करने हेतु शपथ दिलाई जाकर उनसे शपथ पत्र भी भरवाए जा रहे हैं। जिला परिवहन अधिकारी श्री बृजेश वर्मा ने बताया कि मार्च माह की 22 तारीख से अब तक कार्यालय में आए 979 नागरिकों को मतदान करने हेतु जागरूक किया गया एवं उनसे आगामी लोकसभा निर्वाचन में मतदान करने के संबंध में शपथ पत्र प्राप्त किए गए। उन्होंने बताया कि यह अभियान मतदान दिवस तक जारी रहेगा। लोकसभा निर्वाचन, 2024 हेतु मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिला परिवहन अधिकारी द्वारा यात्री बसों में मतदाता जागरूकता संबंधी पोस्टर, बैनर भी लगवाए जा रहे हैं।

तीन लाख रूपए की मदिरा व सामग्री जप्त

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए विदिशा जिले में आबकारी विभाग के द्वारा अवैध मदिरा की धरपकड़ का कार्य सतत जारी है। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में विशेष दल गठित किए गए है जो सघन जांच पड़ताल के दायित्वों का निर्वहन कर रहे है। जिला आबकारी अधिकारी श्री विनय रंगशाही ने बताया कि सहायक आबकारी अधिकारी श्री मुकेश मौर्य को उपरोक्त कार्यो के लिए विशेष नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। सहायक आबकारी अधिकारी श्री मौर्य ने बताया कि प्राप्त सूचनाओं के आधार पर आबकारी एवं पुलिस विभाग के संयुक्त समन्वयक से गंजबासौदा के जेल रोड सहित अन्य स्थलों पर दबिश देकर दो लाख 94 हजार बाजार मूल्य की मदिरा व सामग्री जप्त की गई है। आबकारी एवं पुलिस विभाग के संयुक्त प्रयासो से अलग-अलग स्थानो से 28 सौ किलोग्राम महुआलहान, 14 लीटर हाथ भट्टी जप्त की गई है वहीं तीन लावारिस प्रकरण भी पंजीबद्ध किए गए है। सेम्पल लेकर शेष लहान मौके पर नष्ट कराने की कार्यवाही की गई है। रजनी कंजर पति विशाल के रिहायशी मकान से 56 बल्क लीटर हाथ भट्टी मदिरा जप्त कर आबकारी अधिनियमों के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

चलें बूथ की ओर अभियान का क्रियान्वयन सात तक

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा जारी आदेश का हवाला देते हुए बताया है कि मई माह की एक से सात तारीख तक से जिलें के सभी 1341 मतदान केन्द्रों पर श्चलें बूथ की ओर अभियान का क्रियान्वयन किया जायेगा।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने विदिशा जिले की मानटरिंग के लिए अपर मुख्य निर्वाचन श्री राजेश कौल, को दायित्व सौंपा है। श्री कौल जारी निर्देश की निरन्तरता में श्चलें बूथ की ओर अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमोंध्गतिविधियों के पर्यवेक्षणध् निरीक्षण तथा मतदान केंद्रों का आकस्मिक भ्रमण कर जायजा लेंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने विदिशा जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर आयोग की मंशानुरूप शत् प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए विशेष प्रबंध सुनिश्चित किए हैं। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत विदिशा जिले में तृतीय चरण तहत मतदान 7 मई 2024 को होने जा रहा है। मतदान प्रक्रिया में अधिक से अधिक लोगों को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिये श्चलें बूथ की ओरष् अभियान प्रत्येक मतदान केन्द्र पर चलाया जायें।

मतदाता वोट डालकर अपना प्रतिनिधि चुनते हैं जिससे सरकार बनती है

डोर-टू-डोर पहुंचकर मतदान के लिए पीले चावल प्रदान कर दिया आमंत्रण

विदिशा (निप्र)। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कौल आज विदिशा जिले के ग्राम मानौरा में श्चलें बूथ की ओर अभियानष् कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री कौल ने वयोवृद्ध महिला मतदाताओं का फूलमाला प्रदान कर स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मतदान करने का आहवान किया है। इसके पश्चात मतदान करेंगे की शपथ का वाचन किया जिसे अन्य सभी ने दोहराया। मतदाता जागरूकता रैली में शामिल होकर डोर टू डोर संपर्क करते हुए, मतदाताओं को आमंत्रित पत्रिका व पीले चावल देकर मतदान करने का न्यौता भी दिया है। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने ग्रामीण मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान कराने पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा निर्वाचन में आपके गांव का कोई भी मतदाता मतदान करने से वंचित ना रहे इसके लिए गांव के मतदाता जागरूक नागरिक का परिचय देते हुए लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने हेतु हो सभी को शत प्रतिशत मतदान कराने में अहम भूमिका निभाएं।चलें बूथ की और अभियान अंतर्गत अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री काल जनपद पंचायत ग्यारसपुर में भी मतदाता जागरूकता रैली में शामिल हुए उन्होंने रैली में शामिल होकर जनपद पंचायत ग्यारसपुर के मतदाताओं को मतदाता जागरूकता का संदेश दिया है। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत कार्यालय ग्यारसपुर पहुंचकर कार्यक्रम को संबोधित भी किया। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री कौल ने ग्राम पंचायत मानौरा भवन में उपस्थित ग्रामीण नागरिकों व महिला मतदाताओं को संबोधित करते हुए मतदान के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का वोट अति आवश्यक है सभी निर्वाचनों में हमें मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए क्योंकि यह हमारा

मौलिक अधिकार है और कर्तव्य भी। उन्होंने कहा कि हम अपना वोट डालकर अपना प्रतिनिधि चुनते हैं जिससे सरकार बनती है उन्होंने उपस्थित सभी को मतदान तिथि 7 मई को मतदान करेंगे का संकल्प भी दिलाया है। श्री कौल ने कहा कि मतदान दिवस पर सभी मतदाता अपने-अपने घरों से बाहर निकलें और मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान करें उन्होंने ग्रामीण जनों से पूछा भी की किस-किस के यहां मतदाता पर्ची पहुंच गई हैं और जिन मतदाताओं तक मतदाता पर्ची नहीं पहुंची हैं उन्हें भी मतदान दिवस से पहले मतदाता पर्ची प्राप्त हो जाएंगी। इसके साथ ही उन्होंने मतदाताओं को यह भी अवगत कराया कि वोट डालने के लिए मतदाता को कोई भी एक परिचय पत्र साथ में लाना अनिवार्य होगा ताकि मतदाता को मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न ना हो। उन्होंने कहा कि मतदाता बंधु अन्य किसी भी प्रकार की समस्या हो तो उसके लिए संबंधित बीएलओ से भी संपर्क कर सकते हैं और अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं।

घर-घर पहुंच कर पीले चावल देकर आमंत्रण : अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कंल ने चलो बूथ की और अभियान कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत भवन मानौरा से निकाली गई मतदाता जागरूकता रैली के दौरान घर-घर पहुंचकर मतदाताओं को अपने हाथों से पीले चावल प्रदान कर मतदान के लिए आमंत्रित किया है।

मतदान में पीछे ना रहे शहरी मतदाता - अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कौल ने बुधवार को विदिशा नगरपालिका क्षेत्र में आयोजित चले बूथ की ओर अभियान पर आधारित कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। श्री कौल ने शहरी मतदाताओं से आव्हान किया कि मतदान तिथि को स्वंय मतदान करें और अन्य दूसरो के लिए प्रेरक बनकर मतदान केन्द्र तक जरूर लाएं। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में प्राय देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा शहरी क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत कम रहा है। उन्होंने मतदाता जागरूकता पर बल देते हुए कहा कि मतदान हमारा मौलिक अधिकार है इस अधिकार से कोई वंचित ना रहें। यह हमारा नैतिक दायित्व है। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री कौल ने कार्यक्रम के दौरान वायोवृद्ध मतदाताओं को अपने हाथो से मतदाता पर्ची सौंपते हुए उन सबको पीले चावल व मतदान हेतु निर्धारित आमंत्रण पत्रिका भेंट की है। यहां उन्होंने मीडिया से संवाद करते हुए आयोजन के उद्धेश्यों को रेखांकित किया। खासकर चले बूथ की ओर अभियान का मुख्य उद्धेश्य सभी मतदाता अपने मतो का उपयोग करें। मतदान जैसे महत्वपूर्ण कार्य में कोई पिछडे ना इसके लिए जनजागृति के माध्यम से संदेशो का सम्प्रेषण किया जा रहा है।

शपथ : कार्यक्रम के दौरान मतदाता जागरूकता पर आधारित शपथ का वाचन अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कौल के द्वारा किया गया। जिसे मौके पर मौजूद वायोवृद्ध सहित अन्य नागरिकों, अधिकारी, कर्मचारियों ने दोहराया है।

शंकाओं का समाधान प्राप्ति के उपरांत प्रशिक्षण हाल छोड़े

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के दरम्यिान विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं के हरेक मतदान केन्द्र के लिए एक-एक माइक्रोआब्जर्वर नियुक्त किए गए है। माइक्रोआब्जर्वरो के द्वारा संपादित किए जाने वाले कार्यो से भलीभांति अवगत कराने के उद्धेश्य से द्वितीय चरण का प्रशिक्षण बुधवार को रविन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन में आयोजित किया गया था।

मास्टर टेऊनर्सो द्वारा माइक्रोआब्जर्वरों को आयोग के नियमों व दिशा निर्देशो से भलीभांति अवगत कराया है उन्होंने बताया कि हरेक केन्द्र पर नियुक्त माइक्रोआब्जर्वर सम्पूर्ण मतदान प्रक्रिया पर बारीकी से नजर रखेंगे। प्रशिक्षणार्थियों से कहा गया कि निर्वाचन कार्य खासकर मतदान केन्द्रो पर टीमवर्क की भावना से कार्यो का संपादन करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार से भयभीत ना हो। निर्वाचन से संबंधित जो भी जानकारियां दी जा रही है उन उन सबको आत्मसात करें। निर्वाचन संबंधी किसी भी प्रकार से शंका हो तो समाधान अवश्य रूप से प्राप्त करें। पूछने में किसी भी प्रकार से संकोच ना करें। प्रशिक्षण में संकोच करने से निर्वाचन, मतदान के दौरान अनेक प्रकार की दुविधाएं हो सकती है। प्रशिक्षणार्थियों को मास्टर टेऊनर्सो के द्वारा माइक्रोआब्जर्वरों को अवगत कराया गया कि मतदान केन्द्र रवानगी के दिन से ही सामान्य प्रेक्षक की

मतदान प्रतिशत बढ़ाने सभी समन्वित रूप से प्रयास करें- जिला निर्वाचन अधिकारी रायसेन में चलें बूथ की ओर अभियान कार्यशाला सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन-2024 के अंतर्गत तीसरे और चौथे चरण के 31 जिलों में स्थित प्रत्येक मतदान केन्द्र पर चलें बूथ की ओर अभियान चलाने के निर्देश दिये गये हैं। इसी क्रम में रायसेन स्थित प्रेसिडेन्सी कॉलेज में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे की अध्यक्षता में चलें बूथ की ओर कार्यशाला सम्पन्न हुई। जिसमें कलेक्टर श्री दुबे ने सेक्टर सुपरवाईजर, बीएलओ सहित बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप के सदस्यों से कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने, रायसेन को मतदान में नम्बर वन बनाने के लिए सभी मिलकर समन्वित रूप से प्रयास करें। विदिशा लोकसभा क्षेत्र में शामिल जिले के विधानसभा क्षेत्र सांची, सिलवानी और भोजपुर में 07 मई को मतदान होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने कहा कि मतदाता वोट करने के लिए मतदान केन्द्र तक आएं, इसके लिए उनसे सीधा सम्पर्क कर उन्हें 07 मई को मतदान करने के लिए अनुरोध करें, प्रेरित करें। मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचाने के लिए, मतदान हेतु प्रेरित करने केलिए हर संभव उपाए किए जाएं। ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में मुनादी कराई जाए, स्वच्छता वाहनों से एनाउंसमेंट करवाई जाए। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को बताएं कि मतदान के लिए मतदाता पर्ची के साथ-साथ वोटर आईडी कार्य, आधार कार्ड, ड्रायविंग लायसेंस या आयोग निर्धारित अन्य फोटोयुक्त

पहचान पत्र में से कोई एक साथ लाना जरूरी है। जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप नोडल अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने भी कार्यशाला को संबोधित कर 07 मई को अधिकाधिक मतदान हेतु पूरी मेहनत और लगन से कार्य करने के लिए कहा।

कार्यशाला में उपस्थित सेक्टर सुपरवाईजर, बीएलओ सहित बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप के सदस्यों सहित युवाओं ने मोबाईल की टार्च जलाकर कर शत-प्रतिशत मतदान कराने हेतु हर संभव प्रयास करने का संकल्प लिया।

मतदान की दिलाई शपथ

कार्यशाला में जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने सभी को लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में स्वतंत्र तथा निष्पक्ष रूप से मतदान करने की शपथ दिलाई। साथ ही अन्य सभी मतदाताओं को भी नैतिक मतदान हेतु प्रेरित करने की भी शपथ दिलाई।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए निर्भीक होकर अवश्य करें मतदान- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

सीहोर (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन-2024 के तीसरे चरण विदिशा एवं भोपाल लोकसभा संसदीय क्षेत्रों के सभी मतदान केन्द्रों में चलें बूथ की ओर'' अभियान प्रारंभ किया गया है। अधिक से अधिक मतदान के लिए सीहोर जिले के ग्राम बिलकिसगंज एवं कांकरखेड़ा में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन शामिल हुए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने मतदाताओं से लोकतन्त्र के महापर्व में अपनी सहभागिता करते हुए लोकसभा चुनाव में मतदान जरूर करने की अपील की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सीहोर जिले में 07 एवं 13 मई को अपने मतदान केन्द्र पर पहुँचकर निर्भीक होकर मतदान कर भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभायें। उन्होंने कहा कि मतदाता ही समृद्ध भारत की समृद्ध लोकतांत्रिक परम्पराओं के संवाहक हैं। मतदाताओं की सक्रिय सहभागिता से ही हमारा लोकतंत्र परिष्कृत और समृद्ध बनता है। मतदान से लोकतांत्रिक परम्परा को अधिक से समृद्ध बनाने, संवैधानिक कर्तव्य निभाने का एक और अवसर मिला है। उन्होंने मतदाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपने सीहोर जिले को सर्वाधिक मतदान करा कर प्रदेश में नम्बर वन बनाने का संकल्प लिया है, इसे पूरा करने के लिए शत-प्रतिशत मतदान के लिए अपने परिजनों और पड़ोंसियों को लगातार प्रेरित करें। श्री राजन ने कहा है कि मतदान के दौरान मतदान केंद्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गए हैं। ग्रीष्म काल को देखते हुए सभी मतदान केन्द्रों में छाया, पानी तथा बैठने की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा कि जब भी मतदान करने जाएं तो आपने साथ पहचान का एक दस्तावेज अवश्य ले जाएं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाओं तथा दिव्यांग मतदाताओं को पुष्पगुछ, साल, श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा युवा मतदाताओं को ईपिक कार्ड प्रदान किए। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने उपस्थित मतदाताओं को मतदान करने की शपथ दिलाई। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने कहा कि शतप्रतिशत मतदान कराकर सीहोर जिले को प्रदेश में नम्बर वन बनाना है।

मेंहदी लगाकर, रंगोली सजाकर व शपथ दिलाकर मतदान के लिये किया प्रेरित

हरदा (निप्र)। आगामी 7 मई को लोकसभा निर्वाचन के लिए मतदान संपन्न होगा। इससे पूर्व मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से जिले में प्रतिदिन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को ग्राम सुरजना व प्रतापपुरा में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत किसानों को लोकसभा निर्वाचन के लिये 7 मई मतदान करने की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही मजदूर दिवस के अवसर पर मण्डी परिसर हरदा में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हम्माल व तुलावटी मजदूर मतदाताओं को लोकसभा निर्वाचन के लिये मतदान की शपथ दिलाई गई। इसी तरह आंगनबाड़ी केंद्र बिछौला माल में महिलाओं को मतदान के संबंध में जानकारी दी गई एवं स्वीप गतिविधियों के तहत मेहंदी व रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। ग्राम बारंगा, काल्याखेडी, साकट्या व बड़नगर में मतदाता पर्ची का वितरण कर मतदान की शपथ दिलाई गई। आंगनबाड़ी केंद्र कचबेड़ी में महिलाओं को एकत्रित कर लोकसभा निर्वाचन के लिये मतदान करने की शपथ दिलाई गई। इसके अलावा जिले के विभिन्न बैंकों एसबीआई, एचडीएफसी, केनेरा बैंकों की शाखाओं में ग्राहकों को मतदान के लिये प्रेरित कर मतदान की शपथ दिलाई गई।

अहमदपुर पुलिस एवं सीआरपीएफ द्वारा निकाला जा रहा फ्लेग मार्च

सीहोर (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन के दौरान आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न कराने एवं भय मुक्त वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्री मयंक अवस्थी के निर्देश के निर्देशानुसार अहमदपुर थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर श्री अविनाश भोपले द्वारा थाना अहमदपुर क्षेत्र के अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में सीआरपीएफ फोर्स के साथ क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। थाना प्रभारी अहमदपुर अविनाश भोपले एवं पुलिस बल ने सीआरपीएफ फोर्स के साथ फ्लैग मार्च निकाला। यह फ्लैग मार्च ग्राम खाईखेडा से प्रारंभ होकर ग्राम पाटेर, ग्राम चांदबाद जागीर के मुख्य मार्ग से निकाला गया एवं ग्राम चरनाल के मुख्य मार्ग एवं बाजार से होता हुआ समाप्त हुआ। फ्लेग मार्च में सीआरपीएफ फोर्स के निरीक्षक बिनित कपूर के जवान अधिकारी सहित ,उपनिरीक्षक अविनाश भोपले थाना प्रभारी अहमदपुर, सहायक उप निरीक्षक पर्वत सिह मीणा शामिल रहे।

संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी खत्री ने रायसेन में चलें बूथ की ओर अभियान कार्यशाला का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन-2024 के अंतर्गत तीसरे और चौथे चरण के 31 जिलों में स्थित प्रत्येक मतदान केन्द्र पर श्चलें बूथ की ओरष् अभियान चलाने के निर्देश दिये गये हैं। निर्देशों के पालन में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों द्वारा श्चलें बूथ की ओरष् अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों/गतिविधियों का पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री मनोज खत्री द्वारा रायसेन में स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में चलें बूथ की ओर अभियान अंतर्गत आयोजित कार्यशाला का पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे, जिला पंचायत सीईओ तथा स्वीप नोडल अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, एसडीएम श्री पीसी शाक्या, तहसीलदार श्री हर्ष विक्रम सिंह भी उपस्थित रहे। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री मनोज खत्री ने कार्यशाला में उपस्थित बूथ सेक्टर सुपरवाईजर, बीएलओ तथा बीएजी ग्रुप के सदस्यों से कहा कि सभी अपने-अपने मतदान केन्द्र क्षेत्र में मतदाताओं को प्रेरित करें तथा यह

सुनिश्चित करें कि मतदान दिवस 07 मई को सभी मतदाता मतदान केन्द्र पहुंचे तथा मतदान करें। उन्होंने कहा कि चलें बूथ की ओर अभियान में बीएलओ द्वारा मतदाता सूची का वाचन एवं मतदाता पर्ची का वितरण किया जा रहा है। सभी मतदाताओं को मतदाता पर्ची का वितरण हो यह सुनिश्चित करें। सेक्टर अधिकारी द्वारा मतदाता पर्ची का सत्यापन किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाता, जो मतदान केन्द्र पर उपस्थित होकर मतदान करेंगे, उन्हें मतदान केन्द्र तक लाने के लिये मेन-टू-मेन मार्किंग करें।

इसके अलावा मतदाता जागरुकता के लिये सभी मतदान केन्द्रों पर स्थानीय खेल प्रतियोगिता, मानव श्रृंखला, महिला रैली, स्व-सहायता समूहों द्वारा रंगोली प्रतियोगिता, स्थानीय नागरिकों को शपथ/संकल्प पत्र का वाचन, प्रभात फेरी, मेंहदी प्रतियोगिता, व्यंजन प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, साईकिल/मोटर साईकिल रैली, चित्रकला प्रतियोगिता जैसी आकर्षक गतिविधियां आयोजित की जाएं। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने भी सेक्टर सुपरवाईजर, बीएलओ तथा बीएजी ग्रुप को संबोधित करते हुए कहा कि चलें बूथ की ओर अभियान के तहत सभी गतिविधियों का सुचारू रूप से आयोजित किया जाए। मतदान दिवस 07 मई को प्रत्येक मतदाता, मतदान केन्द्र पहुंचकर अपने मताधिकार का उपयोग कर लोकतंत्र के इस महापर्व में सहभागी बने इसके लिए सभी पूरी मेहनत और लगन से काम करें।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

इंदौर, शनिवार 04 मई , 2024

लोकसभा चुनाव निरस्त करने की मांग, निर्दलीय प्रत्याशी ने कहा मैंने नाम वापस नहीं लिया

इंदौर। इंदौर लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन फार्म जमा कराने वाले एक प्रत्याशी ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर चुनाव निरस्त करने की मांग की है। प्रत्याशी का कहना है कि मैंने नामांकन फार्म वापस नहीं लिया था। मैंने किसी को नामांकन फार्म वापस लेने के लिए अधिकृत नहीं किया था। हाई कोर्ट में यह याचिका निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन फार्म जमा करने वाले धर्मेंद्र सिंह झाला ने दायर की है। इसमें कहा है कि झाला ने नामांकन जमा किया था, लेकिन उनका नामांकन वापस हो गया था। झाला की ओर से एडवोकेट कपिल शुक्ला ने बताया कि झाला का नामांकन उन्होंने वापस नहीं लिया था। उनका नाम नाम वापस लेने वालों की सूची में आया तो उन्हें इसकी जानकारी लगी। जब झाला ने रिटर्निंग अधिकारी से इस बारे में जानकारी ली तो उन्हें बताया गया कि उनके प्रस्तावक के जरिए नाम वापस लिया गया है। जबकि झाला ने किसी को भी नाम वापसी के लिए अधिकृत नहीं किया था। उनका नामांकन फर्जी हस्ताक्षर के जरिए वापस लिया गया। झाला ने उनका नामांकन वापस लेने के वक्त बनाए गए वीडियो की जानकारी भी मांगी लेकिन फुटेज नहीं दिए गए। याचिका में कहा है कि नामांकन गलत तरीके से वापस कर उन्हें चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है। यह संवैधानिक अधिकारों का हनन है। चुनाव निरस्त किया जाए।

व्यापारी से साढ़े तीन लाख रुपये लेकर भागे ठग

इंदौर। बर्तन व्यापारी से वृद्ध माता-पिता के इलाज के बहाने लाखों रुपये ठगने वाले बदमाशों की कार का सीसीटीवी फुटेज मिला है।अन्नपूर्णा पुलिस आरोपियों का पीछा कर रही है। आरोपित डॉक्टर और कंपाउंडर बनकर आए थे। पुलिस ने गुरुवार को ही धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था।एसीपी नंदनी शर्मा के मुताबिक बर्तन व्यापारी खुशाल गोयल निवासी भवानीपुर कॉलोनी द्वारा इस मामले में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। खुशाल के माता-पिता को कमर और पैर दर्द का इलाज करने के बहाने आए बदमाशों ने बातों में उलझाया और 3 लाख 50 हजार रुपये ले लिए। आरोपियों के जाने के बाद पीड़ित थाने पहुंचे और केस दर्ज करवाया। पुलिस ने कॉलोनी से सीसीटीवी फुटेज निकाले तो आरोपित कार से जाते हुए दिखे। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में आरोपित कार से भागते हुए नजर आए। पुलिस के अनुसार आरोपियों की कार की लोकेशन कोटा तक मिली है। शक है ठगी में राजस्थान का गैंग है। खुशाल गोयल की बर्तन बाजार में बर्तन की दुकान है। उनकी मां को कमर में दर्द रहता है। वे कुछ दिनों पूर्व टहलने गई थी। वहां एक युवक मिला और कमर में पट्टा बंधा देखकर कहा कि मेरी मां को भी ऐसी तकलीफ थी। मां ने डॉक्टर जारीवाल से इलाज करवाया था। अब वह ठीक हो गई हैं। उसने एक नंबर भी दिया। दो दिन बाद डॉक्टर घर पहुंचा और इलाज करने लगा। बलगम पद्धति से दर्द दूर करने का बहाना बनाया। खुशाल के मुताबिक आरोपित ने हाथ में चिलम मसली तो वह सम्मोहित हो गए और जैसा कहा वैसा करते गए।आरोपितों ने 3 लाख 50 हजार रुपये ले लिए। दो दिन पूर्व ही व्यापारी को देने के लिए दुकान से सिल्क लेकर आए थे। एरोड्रम पुलिस ने कुछ दिनों पूर्व गुजरात के मदारी समाज के एक युवक को पकड़ा था जो नागा साधु बनकर ठगी व लूट करता था।

मरीज ने महिला डॉक्टर को बुरी नीयत से छुआ

इंदौर। इंदौर में महिला डॉक्टर को चेकअप के दौरान बुरी नीयत से छूने का मामला सामने आया है। महिला डॉक्टर की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी मरीज पर मामला दर्ज कर लिया है। डॉक्टर का कहना था कि आरोपी लंबे समय से उसे बुरी नजर से देख भी रहा था। पुलिस के मुताबिक घटना सांवेर रोड़ स्थित अरविंदो अस्पताल की है। जहां कार्यरत 25 वर्षीय डॉक्टर ने दीपक शाक्य निवासी गांधी नगर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। बताया गया कि डॉक्टर पांचवी मंजिल पर राउंड पर थी। इस दौरान वह आईसीयू में मरीजों को देखने गई थी।आईसीयू में लिवर एब्सेस के मरीज दीपक शाक?य को भी भर्ती कराया गया था। डॉक्टर ने जैसे ही दीपक से उसकी परेशानी के बारे में पूछा उसने बुरी नीयत से डॉक्टर को टच किया। जिसके बाद डॉक्टर ने उसके खिलाफ शिकायत की और केस दर्ज करवाया।

इंदौर-राघौगढ़ हाईवे : दोनों तरफ बनेगी दो-दो लेन की सर्विस रोड

इंदौर। इंदौर-हरदा-बैतूल फोर लेन नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट के तहत बनाए जा रहे इंदौर-राघौगढ़ ग्रीन फील्ड हाईवे के साथ दोनों ओर सर्विस रोड भी बनाई जाएगी। हाईवे का मुख्य मार्ग (मेन कैरेज वे) चार लेन, जबकि दोनों तरफ की सर्विस रोड दो-दो लेन चौड़ाई लिए होगी।यह हाईवे इंदौर के एमआर-10 जंक्शन से शुरू होगा और राघौगढ़ तक कुल 28 किलोमीटर लंबे हिस्से में बनाया जा रहा है। इसे ग्रीन फील्ड हाईवे इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि इसे बिलकुल नए अलाइनमेंट से बनाया जा रहा है और वहां अब तक कोई सड़क नहीं थी। नेशनल हाईवेज अथॉरिटी आफ इंडिया (एनएचएआई) अफसरों का कहना है कि दिसंबर-24 से मार्च-25 के बीच यह नया-नवेला हाईवे बनकर तैयार हो जाएगा। इसके निर्माण पर विभाग 358 करोड़ रुपए मंजूर कर रहा है। भविष्य में इंदौर की नई रिंग रोड बायपास के और आगे से गुजरेगी। तब विकास में और तेजी आएगी, क्योंकि वर्तमान और नए बायपास के बीच नया रहवासी क्षेत्र और वाणिज्यिक गतिविधियां शुरू होंगी। यही वजह है कि ग्रीन फील्ड फोर लेन हाईवे बनाने के साथ दोनों तरफ सर्विस रोड भी बनाई जा रही हैं।

पहली बार इंदौर मेट्रो के प्लेटफार्म पर लगेंगे भारतीय कंपनी के स्क्रीन गेट

इंदौर। मेट्रो स्टेशन के प्लेटफार्म पर यात्री सुरक्षा के लिए स्क्रीन डोर लगाए जाएंगे। सितंबर में मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ट्रायल के पहले गांधी नगर स्टेशन व सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर 3 प्लेटफार्म पर ये स्क्रीन डोर लग जाएंगे। ऐसे में जब प्लेटफार्म पर ट्रेन पहुंचेगी, तब स्क्रीन गेट खुलने पर ही यात्री मेट्रो के अंदर जा सकेंगे। इससे प्लेटफार्म पर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।अभी दिल्ली सहित कई शहरों में मेट्रो प्लेटफार्म व ट्रैक के बीच सुरक्षा के लिए स्क्रीन डोर लगाए जा रहे हैं। अभी तक चीन की कंपनियों द्वारा बनाए गए डोर ही लगाए जा रहे थे। इंदौर के मेट्रो स्टेशन पर लगाए जाने वाले ये सुरक्षा स्क्रीन डोर पर मेड इन इंडिया प्रोजेक्ट के तहत भारतीय कंपनी द्वारा तैयार किए होंगे। पहली बार देश में इंदौर के मेट्रो स्टेशन के प्लेटफार्म पर भारतीय कंपनी द्वारा तैयार ये सुरक्षा गेट लगाए जाएंगे। इससे इन गेट की गुणवत्ता बढ़ेगी और सुरक्षा भी मजबूत रहेगी।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड तैयार कर ही डिजाइन

मध?य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा इंदौर व भोपाल के मेट्रो स्टेशन पर सुरक्षा स्क्रीन गेट लगाने का जिम्मा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को दिया गया है। कंपनी द्वारा गेट के डिजाइन को तैयार किया जा रहा है। ये कांच वाले स्लाइडिंग गेट होंगे। डिजाइन अप्रूव होते ही इस गेट को तैयार कर मेट्रो स्टेशन के प्लेटफार्म पर लगाने का कार्य शुरू किया जाएगा। फिलहाल इंदौर में मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर में शामिल प्लेटफार्म पर पटरी के पास हिस्से पर इसके लिए जगह छोड़ी जा रही।

दिल्ली मेट्रो जैसी दुर्घटनाओं से होगा बचाव

पांच माह पहले दिल्ली मेट्रो में एक महिला की साड़ी फंसने के कारण वो मेट्रो पर घिसटती गई थी और उसकी मौत हो गई थी। ऐसे में मेट्रो प्लेटफार्म पर लगने वाले ये सुरक्षा स्क्रीन गेट यात्रियों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। मेट्रो से निकले के बाद जब तक यात्री स्क्रीन गेट से पार होकर प्लेटफार्म पर पूरी तरह नहीं पहुंचेगा, तब तक प्लेटफार्म का स्क्रीन गेट बंद नहीं होगा। इस स्क्रीन गेट के बंद होने के बाद ही मेट्रो प्लेटफार्म से आगे बढ़ेगी। इस तरह मेट्रो में सफर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

एमवाय में 10 हाईटेक ऑपरेशन थिएटर तैयार

इंदौर। आर्थिक तंगी का असर अब स्वास्थ्य सेवाओं पर पडने लगा है। हालात यह हैं कि एमवाय हॉस्पिटल में 10 हाईटेक ऑपरेशन थिएटर बनकर तैयार हो चुके हैं, मगर आर्थिक संकट के चलते महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज प्रशासन इन सभी मॉड्यूलर ओटी, यानी दसों ऑपरेशन थिएटर्स को शुरू ही नहीं करवा पा रहा है। इस वजह से इंदौर सहित बाहर से आने वाले सभी जरूरतमंद मरीज ऑपरेशन के वास्ते अपनी बारी का इंतजार करने के लिए आज भी मजबूर हैं। ऑपरेशन थिएटर्स और संसाधनों की कमी के चलते लंबी प्रतीक्षा सूची की वजह से कई मरीज या तो दम तोड़ देते हैं या फिर कर्जा लेकर निजी अस्पतालों में ऑपरेशन कराते हैं। इस मामले में जिम्मेदारों का कहना है कि सभी ऑपरेशन थिएटर तो बनकर तैयार हैं, मगर पीडब्लूडी की देनदारी और उपकरण एमवाय हॉस्पिटल के गायनिक वार्ड के एमटीएच हॉस्पिटल में शिफ्ट हो जाने के कारण खाली पड़े वार्ड में लगभग 15 माह पहले 6 बाय 6 के 10 हाईटेक ऑपरेशन थिएटर बनाने का काम पीडब्लूडी ने शुरू किया था । यह सभी ऑपरेशन थिएटर की वॉल स्टील प्लेट से तैयार की गई हैं। इन पर एंटीबैक्टीरिया पेंट का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा इनमें ऑक्सीजन गैस पाइप लाइन, फायर एंटीसिस्टम सहित ऑपरेशन टेबल के ऊपर जलने वाली ओटी लाइट लगाई गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इन सभी ऑपरेशन थिएटर को बनाने में 5 करोड़ 50 लाख रुपए खर्च किए गए हैं।

1 करोड़ 20 लाख रुपए की देनदारी बाकी

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों का कहना है कि हमने अनुबंध के अनुसार तय समय, यानी 15 माह में मार्च में 10 ओटी बनाकर तैयार कर दिए हैं। हमें मेडिकल प्रशासन से अभी 1 करोड़ 20 लाख रुपए लेना बाकी हैं। इस मामले में पीडब्लूडी मेडिकल कॉलेज प्रशासन सहित भोपाल में बैठे आला अधिकारियों से ओटी निर्माण की देनदारी के लिए सैकड़ों बार तगादा कर चुका है। वह हमारा पेमेंट करके कभी भी काम शुरू कर सकते हैं।

उपकरण-मशीन आते ही शुरू कर देंगे

सरकार से पैसा मिलते ही पीडब्ल्यूडी का बाकी पेमेंट कर देंगे। ऑपरेशन थिएटर शुरू करने के लिए कई जरूरी उपकरण और मशीनों की खरीदारी बाकी है। सारे अति आवश्यक संसाधन मिलते ही ऑपरेशन थिएटर शुरू कर दिए जाएंगे।

- संजय दीक्षित, डीन, एमजीएम मेडिकल कॉलेज, इंदौर

400 करोड़ रुपये से ज्यादा के फर्जीवाड़े की आशंका, खुल रही घोटाले की परतें

इंदौर। नगर निगम के जिस इंजीनियर की कार से फर्जीवाड़े से जुड़ी फाइलें चोरी होने की बात कही जा रही है, उसका दो माह पहले ही इंदौर से ट्रांसफर हो चुका है, लेकिन निगम ने उसे अब तक रिलीव नहीं किया। यह इंजीनियर लंबे समय से नगर निगम के ड्रेनेज विभाग का काम देख रहे हैं और इसकी रग-रग से वाकिफ हैं।फर्जीवाड़े से जुड़ी मूल फाइलें चोरी होने की बात भी किसी के गले नहीं उतर रही। सीसीटीवी फुटेज में कार तो खड़ी नजर आ रही है, लेकिन चोरी नजर नहीं आ रही। इतना ही नहीं, यह बात भी किसी के समझ नहीं आ रही कि फर्जीवाड़े की फाइलें निगम से बाहर लाई क्यों गई थीं और इन फाइलों को लेकर ये इंजीनियर कहां जा रहे थे?इसके अलावा भी तमाम बातें हैं, जो इस बात की ओर इशारा कर रही हैं कि नगर निगम में मिला फर्जीवाड़ा सिर्फ 100-150 करोड़ रुपये का नहीं बल्कि इससे कहीं ज्यादा बड़ा है। अकेले नाला टेपिंग के नाम पर ही 400 करोड़ रुपये से ज्यादा का फर्जीवाड़ा होने की आशंका है। इसके अलावा शहर में जल वितरण लाइन डालने के नाम पर हुआ फर्जीवाड़ा अलग है। इसके बाद से नगर निगम में सन्नाटा पसरा हुआ है। अधिकारी और कर्मचारी इसे आचार संहिता का असर बता रहे हैं, लेकिन अंदर की बात यह है कि हर कोई इस बात से आशंकित है कि कहीं फर्जीवाड़े में उसका नाम न आ जाए।

स्मार्ट सिटी में भी हुए हैं कई फर्जीवाड़े

बताया जा रहा है कि नगर निगम की तर्ज पर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में भी कई फर्जीवाड़े हुए हैं। शहर की पहली आदर्श सड़क यानी बियाबानी इसका उदाहरण है। यह सड़क आज भी जगह-जगह छलनी है। प्लानिंग के नाम पर करोड़ों खर्च किए गए लेकिन बगैर प्लानिंग बगैर ड्रेनेज लाइन डाले सड़क बना दी गई। शिकायतों के बाद तत्कालीन निगमायुक्त ने लंबे समय तक स्मार्ट सिटी का काम देख रहे एक इंजीनियर को नगर निगम भेज दिया था।

अब तक नहीं हुई कार्रवाई

नगर निगम के अधिकारी अब तक इस मामले में यह कहकर खुद को बचा रहे थे कि पुलिस ने मूल फाइलें जब्त नहीं की हैं। फोटोकॉपी के आधार पर कार्रवाई नहीं की जा सकती, लेकिन जांच में नगर निगम की टीम और पुलिस के हाथ लगी दूसरी फाइलों पर अधिकारियों के असल हस्ताक्षर हैं। बावजूद इसके अब तक किसी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

2016 से शुरू हुआ था फर्जीवाड़ा

जांच में यह बात भी सामने आई है कि जिन ठेकेदारों के नाम अब तक फर्जीवाड़े में सामने आए हैं, वे सिर्फ मोहरे हैं। फर्जीवाड़े के पीछे नगर निगम के ही कई अधिकारियों के नाम सामने आए हैं। ये अधिकारी ठेकेदारों के माध्यम से कंपनी बनाकर निगम के ठेके लेते हैं और इसमें होने वाले मुनाफे का बड़ा हिस्सा खुद रखते हैं। निगम में यह फर्जीवाड़ा वर्ष 2016 से चल रहा है।

नोटा को समर्थन नहीं, कांग्रेस ने शुरू कर दिया पक्ष में प्रचार

इंदौर। लोकसभा क्षेत्र इंदौर से उम्मीदवारी खारिज होने के बाद कांग्रेस ने नोटा को समर्थन देने की औपचारिक घोषणा नहीं की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने इस संबंध में बैठक बुलाकर निर्णय लेने की बात कही है। रविवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को इस संबंध में चर्चा करने के लिए बुलावा भेजा गया है। हालांकि औपचारिक निर्णय से पहले ही कई कार्यकर्ताओं ने नोटा के पक्ष में प्रचार शुरू कर दिया है।इस बीच गठबंधन के अन्य दलों ने अभी नोटा को समर्थन नहीं दिया है। कांग्रेस के साथ इस बार के चुनावी रण में साथ खड़ी नजर आ रही आम आदमी पार्टी ने नोटा के पक्ष में प्रचार के निर्णय से अभी इनकार कर दिया है। आप के जिला अध्यक्ष डा. पीयूष जोशी ने कहा कि अभी हमने कोई निर्णय नहीं लिया है कि नोटा के पक्ष में अपील करना है या किसी निर्दलीय को समर्थन देना है। इस बारे में आगे स्थिति स्पष्ट होगी। इस बीच गुरुवार को कांग्रेस के संभागीय प्रवक्ता गिरीश जोशी और विवेक खंडेलवाल ने नोटा के समर्थन में बाजार में प्रचार शुरू कर दिया। प्रवक्ता नोटा का बटन दबाने की अपील करते हुए व्यापारियों के बीच पहुंचे। इस बीच कांग्रेस में नोटा के पक्ष में अपील करने न करने पर भी असमंजस की स्थिति दिख रही है। कई वरिष्ठ नेता जहां नोटा का बटन दबाने की अपील के साथ जनता के बीच जाने की योजना बना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कई वरिष्ठ नेता इससे सहमत नहीं हैं। इन नेताओं का कहना है कि मालवा-निमाड़ के आसपास की सीटों पर इंदौर के नेताओं और कार्यकर्ताओं को कांग्रेस का काम करने के लिए निकल जाना चाहिए। नोटा के समर्थन में ऊर्जा और समय बर्बाद करने से लाभ कुछ नहीं होगा। बेहतर है कि अन्य उम्मीदवारों के लिए काम कर लिया जाए।

मतदान के दिन और मतदान के एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में एमसीएमसी से पूर्व प्रमाणित राजनैतिक विज्ञापन ही हो सकेंगे प्रकाशित

इंदौर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि मध्य प्रदेश के 29 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में चार चरणों में निर्वाचन प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है?। पहले व दूसरे चरण के छह-छह लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में मतदान सम्पन्न हो चुका है। तीसरे चरण में 9 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 7 मई को और चौथे चरण में 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 13 मई को मतदान होगा। राजन ने बताया कि अगले दोनों चरणों के मतदान के दिन और मतदान के एक दिन पहले प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा। एमसीएमसी कमेटी से पूर्व प्रमाणित विज्ञापन ही प्रिंट मीडिया में प्रकाशित हो सकेंगे। राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रिंट मीडिया में मतदान की तिथि व मतदान से पूर्व दिवस पर प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों के लिए विशेष व्यवस्था दी गई है। आयोग के नियमानुसार प्रिंट मीडिया में प्रकाशन के लिए विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणन के लिए राजनैतिक दल/आवेदकों को मतदान के दिन और मतदान से पूर्व दिवस पर विज्ञापन के प्रकाशित होने की प्रस्तावित तिथि से दो दिन पहले जिला/राज्यस्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) को आवेदन देकर पूर्व प्रमाणन कराना होगा। पूर्व प्रमाणन के पश्चात ही समाचार पत्रों में ऐसे प्रचार विज्ञापन प्रकाशित किये जा सकेंगे। आगे बताया कि तीसरे चरण के 9 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों मुरैना, भिंड (अजा), ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, भोपाल, राजगढ़ एवं बैतूल (अजजा) में 6 मई एवं मतदान तिथि 7 मई को प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा। इसी प्रकार चौथे चरण के 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों देवास (अजा), उज्जैन (अजा), मंदसौर, रतलाम (अजजा), धार (अजजा), इंदौर, खरगौन (अजजा) एवं खंडवा में 12 मई एवं मतदान तिथि 13 मई को प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा।

इंदौर में मतदान दलों का सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ प्रारंभ

पहले दिन ढाई हजार मतदान कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण, डाक मतपत्र से मतदान भी हुआ प्रारंभ

इंदौर। इंदौर में लोकसभा निर्वाचन के लिए 13 मई को होने वाले मतदान के लिए व्यापक तैयारियां जारी है। 13 मई को होने वाले मतदान के लिए मतदान दलों के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। मतदान दलों में नियुक्त किये जाने वाले मतदान कर्मियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है। आगामी 9 मई तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 14 हजार मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। पहले दिन आज ढाई हजार मतदान कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम होल्कर साइंस कॉलेज के 38 कमरों में एक साथ दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 10 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 2 बजे तक चलेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी क्रमांक एक, दो एवं

मतदान अधिकारी क्रमांक तीन को एक साथ प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण मुख्य प्रशिक्षक डॉ. आर. के. पाण्डे के निर्देशन में 80 मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दिया जा रहा है। कल से होल्कर साइंस कॉलेज में डाक मत पत्र के माध्यम से मतदान प्रक्रिया भी प्रारंभ हुई। आगामी 8 मई तक डाक मत पत्र के माध्यम से मतदान कर्मी, पुलिस और निर्वाचन डियूटी में नियुक्त कर्मी मतदान करेंगे। मतदान के लिए जिले के सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग कक्ष बनाये गये है।

प्रशिक्षण के दौरान मतदान कर्मियों को सुव्यवस्थित रूप से मतदान कराने की प्रक्रिया बताई गई। साथ ही उन्हें उनके अधिकार एवं कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी गई। मतदान के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के नियम और निर्देशों, मॉक पोल आदि के बारे में भी विस्तार से समझाया गया। मतदान कर्मियों को इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन के संचालन के बारे में सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, शनिवार 04 मई , 2024

संपादकीय | मतदान के अंतिम आंकड़े समय पर जारी करे ईसी

इस आम चुनाव के पहले और दूसरे चरण में कम मतदान के आंकड़े आए, तो निर्वाचन आयोग पर सवाल उठने शुरू हो गए थे कि उसका मतदाता जागरूकता अभियान कारगर साबित क्यों नहीं हो पा रहा। अब उसने अंतिम आंकड़े जारी किए हैं, जो पिछले आंकड़ों से पांच से छह फीसद तक अधिक हैं। यानी दोनों चरण में छियासठ फीसद से अधिक मतदान हुए। यह एक संतोषजनक आंकड़ा कहा जा सकता है।

मगर विपक्षी दलों ने सवाल उठाया है कि निर्वाचन आयोग ने अंतिम आंकड़े जारी करने में इतना वक्त क्यों लगाया। ये आंकड़े पहले चरण के ग्यारह दिन और दूसरे चरण के चार दिन बाद आए हैं। अभी तक मतदान के चौबीस घंटों में अंतिम आंकड़े जारी कर दिए जाते थे। फिर, विपक्षी दलों ने यह भी पूछा है कि आयोग ने मतदाताओं की संख्या क्यों नहीं बताई है।

इस तरह चुनाव नतीजों में गड़बड़ी की शंका भी जाहिर की जाने लगी है। पहले ही विपक्षी दल और कई सामाजिक संगठन मतदान मशीनों में गड़बड़ी की आशंका जताते रहे हैं। निर्वाचन आयोग के चुनाव प्रक्रिया और परंपराओं का उचित निर्वाह न करने से उनका संदेह स्वाभाविक रूप से और गहरा होगा। यह समझना मुश्किल है कि निर्वाचन आयोग ने मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने में इतना वक्त क्यों लगाया।

मशीनों के जरिए मतदान कराने के पीछे मकसद यही था कि इससे मतगणना में आसानी होगी, मतदान से संबंधित आंकड़ों को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया जा सकेगा। मतदान मशीनों की केंद्रीय इकाई में हर मतदान केंद्र पर पड़े मतों की संख्या दर्ज होती है। इस तरह

हर घंटे मतदान के आंकड़े जारी किए जाते हैं। हालांकि अंतिम आंकड़ा मतदान अधिकारियों के रजिस्टर में दर्ज संख्या से मिलान करने के बाद ही तय होते हैं।

इसलिए मान कर चला जाता है कि मतदान मशीनों की केंद्रीय इकाई से मिले आंकड़ों में कुछ फीसद की बढ़ोतरी हो सकती है। मगर मतदान अधिकारियों के रजिस्टर में दर्ज संख्या की गणना करने में भी इतना वक्त नहीं लगता। जब इससे पहले मतदान समाप्त होने के अगले दिन अंतिम आंकड़े जारी कर दिए जाते थे, तो इस बार ऐसी क्या अड़चन आ गई कि ग्यारह दिन लग गए। फिर मतदाताओं की संख्या वेबसाइट पर बताने में क्या दिक्कत है। वह तो मतदाता सूची में दर्ज ही होती है। आज के डिजिटल युग में ऐसी सूचनाएं जारी करने में ज्यादा समय नहीं लगता।

निर्वाचन आयोग का दायित्व है कि वह न केवल स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराए, बल्कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता भी बनाए रखे। अगर किसी विषय या बिंदु पर आम लोगों या राजनीतिक दलों को किसी प्रकार का संदेह या प्रश्न है, तो उसका निराकरण भी करे। पहले ही आम मतदाता के मन में यह धारणा बैठी हुई है कि मशीनों में गड़बड़ी करके मतों को इधर से उधर किया जा सकता है।

फिर राजनेताओं के आपत्तिजनक बयानों और आचार संहिता के उल्लंघन संबंधी शिकायतों पर पक्षपातपूर्ण रवैए के आरोप भी निर्वाचन आयोग पर लगते रहे हैं। ऐसे में उससे अतिरिक्त रूप से सावधान रहने की अपेक्षा की जाती है। चुनाव की तारीखों का ऐलान करते हुए आयोग ने बढ़-चढ़ कर दावा किया था कि वह नियम-कायदों की किसी भी प्रकार की अनदेखी बर्दाश्त नहीं करेगा। मगर उसके इस दावे पर भरोसा इस बात से बनेगा कि वह खुद नियम-कायदों की कितनी परवाह करता है।

सोशल मीडिया से...

भारत में कांग्रेस कमजोर हो रही है। यहां कांग्रेस मर रही है तो वहां पाकिस्तान रो रहा है। कांग्रेस के लिए पाकिस्तान के आका दुआ कर रहे हैं। शहजादे को प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला है। पाकिस्तान और कांग्रेस की यह पार्टनरशिप पूरी तरह एक्सपोज हो गई है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

एक तरफ मोदी जी हैं जो सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का काम कर रहे हैं, दूसरी ओर राजद और कांग्रेस है जो लूट, कुशासन और खुद के परिवार के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। इस चुनाव में आपको तय करना है कि आप किसको सत्ता देना चाहते हैं।

जेपी नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

तेजस्वी यादव अपनी सभाओं में कहते हैं कि चिराग पासवान ने संपन्न दलितों का आरक्षण समाप्त करने की बात की है। मेरा यह बयान ऑन रिकॉर्ड मुझे दिखा दें और नहीं दिखा सकते हैं तो झूठ बोलना बंद कर दें, नहीं तो मुझे कोई न कोई कार्रवाई करनी पड़ेगी। यह गलत है। वह चिराग पासवान को लेकर भ्रम फैलाना चाहते हैं।

चिराग पासवान, लोजपा (रामबिलास)

मोदी जी खुद को बड़ा ईमानदार बताते हैं, लेकिन इस देश में भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी स्कीम लेकर आए। यह स्कीम थी, जो चंदा देगा, उसका नाम गुप्त रहेगा। इसके तहत अपने बड़े-बड़े मित्रों से चंदा लिया। पहले उनके ऊपर छापा मारा, फिर चंदा लेकर जांच बंद कर दी।

प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस महासचिव

आज का कार्टून

नियमों के खिलाफ नियुक्ति पर दिल्ली के एलजी ने महिला आयोग के 223 कर्मचारियों को बर्खास्त किया

सैयां भाई कोतवाल...

अधिकारी की निगरानी में वृक्ष की हत्या

इंदौर। शहर में आए दिनों हरे-भरे वृक्षों को काटने की घटनाएं सामने आती रही हैं, लेकिन आज तक इन वृक्षों की हत्या में शामिल कोई भी अपराधी दंडित नहीं हुआ है। इसी लापरवाही का परिणाम है कि गुरुवार को दिन-दहाड़े एक हरा-भरा वृक्ष उद्यान दारोगा की निगरानी में काट दिया गया। जोन 10, वार्ड क्रमांक 40, खजराना गणेश मंदिर के नजदीक स्थित गोयल विहार कॉलोनी में लगभग 40 फीट ऊंचे जंगल-जलेबी का वृक्ष (इसके फलों का सेवन गिलहरी, तोता, बंदर आदि बड़े चाव से करते हैं) निर्ममता से काट दिया गया। जिस अधिकारी की जिम्मेदारी वृक्षों के संरक्षण की है उसी उद्यान दरोगा गजेंद्र यादव की देखरेख में हो रही इस कटाई का विरोध क्षेत्र के जागरूक नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता यशवर्धन सिंह ने किया। बताया गया कि उक्त वृक्ष की कटाई क्षेत्रीय पार्षद पुष्पेंद्र पाटीदार के निर्देश पर की गई है। जिसकी शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में भी 8 नागरिको ने दर्ज की है।

अनेक पर्यावरण हितैषीयों ने बताया कि उक्त दरोगा गजेंद्र यादव पर पूर्व में भी कई वृक्षों की अवैध कटाई के आरोप लगे हैं जिनकी शिकायत भी मुख्यमंत्री एवं नगर निगम के उच्च अधिकारियों से की गई है। लेकिन प्रशासनिक जड़ता का ही परिणाम है कि हरे वृक्षों को काटने वालों का हौसला बुलंद है।

दो कम्युनिस्टों ने इंदौर में बचाया लोकतंत्र को, निर्विरोध निर्वाचन के प्रयास हुए विफल

इंदौर। इंदौर संसदीय क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार शंकर लालवानी को निर्विरोध निर्वाचित करवाने की योजना असफल हो गई। दो कम्युनिस्ट कार्यकर्ता प्रलोभन और धमकियों से विचलित नहीं हुए। उनके कारण इंदौर में लोकतंत्र की लाज बची रह सकी।

भाजपा का इरादा इंदौर में भी सूरत की कहानी दोहराने का था ताकि पार्टी उम्मीदवार बिना चुनाव लड़े ही निर्वाचित घोषित हो सके। इस हेतु पूरी तैयारी कर ली गई थी। कांग्रेस उम्मीदवार के नामांकन पत्र वापस ले लेने के पश्चात शेष सभी निर्दलीय उम्मीदवारों को कलेक्टर कार्यालय में एकत्र कर लिया गया था ताकि सामूहिक रूप से नामांकन वापस लिया जा सके। इंतजार था तो केवल सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) के उम्मीदवार कामरेड अजीत सिंह पंवार का, लेकिन पंवार को न पहुंचना था और नहीं वे पहुंचे। पंवार और उनके नामांकन पत्र पर प्रस्तावक के रूप में हस्ताक्षर कर चुके पार्टी कार्यकर्ता की सैद्धांतिक प्रतिबद्धता ने भाजपा के मंसूबे पर पानी फेर दिया। उन दोनों के बिकने से इंकार और निडरता ने इंदौर वासियों को अपने मताधिकार का उपयोग करने का अवसर प्रदान किया है।

समाचार पोर्टल ÷द वायर÷ के पत्रकार को वामपंथी उम्मीदवार कामरेड पंवार ने बताया कि पहली बार उनके पास उनके पूर्व परिचित एक वकील का फोन आया था, उसने कहा कि भाजपा के एक पूर्व विधायक किसी महत्वपूर्ण सिलसिले में उनसे मिलना चाहते हैं। मैंने जब मिलने से इंकार कर दिया तो मेरे गृह नगर गुना से एक पुलिस अधिकारी का फोन आया वह भी यही बात कह रहा था, कि वह भाजपा नेताओं से मिल ले। कुछ सरकारी अधिकारियों और भाजपा के दूत होने का दावा करने वाले कई लोगों ने भी उस पर दबाव बनाया। पंवार को बताया गया कि इंदौर शहर की बेहतरी के लिए भाजपा नेता उनसे मिलना चाहते हैं। जब उन्होंने मिलने से मना कर दिया तो यह अनुरोध धमकियों में बदल गया।

उम्मीदवार कामरेड अजीत सिंह पंवार ने बताया कि नाम वापसी की तारीख से पहले 27 एवं 28 अप्रैल को उनके पास बड़ी तादाद में ज्ञात-अज्ञात नंबरों से फोन कॉल आए थे। दिल्ली से भाजपा हाई कमान के नाम से फोन पर उन्हें आर्थिक प्रलोभन भी दिया गया था। अपनी योजना विफल होता देख भाजपा का एक पार्षद उस प्रस्तावक के घर जा पहुंचा जिसने पंवार के नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। उसे प्रलोभन के साथ धमकी देकर समझाया गया कि वह कलेक्टर कार्यालय में पहुंचकर पंवार के नामांकन पत्र पर अपना हस्ताक्षर होने से इंकार कर दे, शेष वे संभाल लेंगे लेकिन वह कार्यकर्ता भी नहीं माना।

चुनाव विश्लेषक एवं विख्यात सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव के अनुसार नाम निर्देशन पत्र वापसी के दिन भाजपा ने 13 निर्दलीय उम्मीदवारों को कलेक्टर कार्यालय में जमा करके रखा था ताकि सबके नामांकन पत्र एक साथ वापस लिए जा सके। जब पंवार नहीं माने तो सभी उम्मीदवारों को छोड़ दिया गया। वर्तमान में कामरेड अजीत सिंह पंवार सहित सभी निर्दलीय उम्मीदवार भाजपा प्रत्याशी के सामने चुनावी मैदान में है।

कांग्रेस नेताओं का पार्टी छोड़ने का सिलसिला जारी

विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस के वरिष्ठतम नेतृत्व को किनारे कर युवा पीढ़ी के हाथों कमान सौंपी गई। नए नेताओं के शुरुआती तेवरों से ऐसा लगा भी कि पार्टी नई ऊर्जा के साथ मैदान में उतरेगी, लेकिन ऊर्जा के बजाय कांग्रेस को 'पतझड़' का सामना करना पड़ा।इंदौर। अपने नेताओं और पदाधिकारियों के पार्टी छोड़कर भाजपा में जाने से परेशान कांग्रेस पदाधिकारियों को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। इंदौर में भाजपा की सर्जिकल स्ट्राइक में अपना प्रत्याशी गंवाने के बाद से कांग्रेस के पदाधिकारी इस मनोवैज्ञानिक हार पर भले ही चिंतन-मनन कर लें, लेकिन लगातार बिगड़ती स्थिति के बीच बचे-खुचे नेताओं और कार्यकर्ताओं का मनोबल थामना सबसे बड़ी चुनौती है। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद शायद ही कोई सप्ताह ऐसा बीता है, जब किसी न किसी बड़े कांग्रेस नेता ने अपनी पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन नहीं थामा हो।प्रदेश में कांग्रेस की फजीहत शुरू हुई 2018 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर बनी सरकार को डेढ़ साल बाद ही कांग्रेस के अपने नेताओं द्वारा गिरा देने के बाद। इसके बाद सत्तारूढ़ हुई भाजपा ने ऑपरेशन 'कांग्रेस मुक्त मध्य प्रदेश' शुरू कर दिया। 2023 के विधानसभा चुनाव के पहले तक कांग्रेसी नेता प्रदेश में बने छद्म माहौल से भरमाते रहे कि प्रदेश में अब उनके अच्छे दिन आने ही वाले हैं, लेकिन भाजपा की प्रचंड लहर से कांग्रेस के पैर ऐसे उखड़े कि तमाम कोशिशों के बाद भी कहीं टिक नहीं पा रहे हैं।

प्रत्याशियों का संकट, जो मिले वो भी साथ छोड़ गए- कांग्रेस नेताओं के अनुसार स्वतंत्रता के बाद से अब तक कांग्रेस इतने बुरे दौर से शायद ही कभी गुजरना पड़ा, जब चुनाव लड़ने के लिए पार्टी के नेता तैयार नहीं हैं। इस लोकसभा चुनाव के लिए खंडवा, धार, इंदौर और देवास लोकसभा क्षेत्रों में आधा दर्जन से ज्यादा नेताओं ने चुनाव लड़ने से साफ इनकार कर दिया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रह चुके अरुण यादव जैसे नेता भी आगे नहीं आए। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के गृह नगर इंदौर से भी अग्रिम पंक्ति के नेताओं ने पहले ही चुनाव लड़ने से किनारा कर लिया था। किसी तरह अक्षय कांति बम जैसे नए नेता को तैयार भी किया, तो वे भी नाम वापसी के अंतिम दिन अपना नाम वापस लेकर भाजपाई हो गए। अधिकृत उम्मीदवार के इस तरह साथ छोड़ने से कांग्रेस की जो फजीहत हुई, उसने प्रदेश भर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल बुरी तरह तोड़ दिया।जहां खुद को मजबूत मान रही थी कांग्रेस वहां भी नहीं रुका 'पलायन' मालवा-निमाड़ की जिन आदिवासी बहुल सीटों पर कांग्रेस खुद को मुकाबले में मान कर चल रही थी, वहां भी एक के बाद एक नेताओं के पार्टी छोड़ने से कार्यकर्ताओं में निराशा है। झाबुआ में युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष व जिला पंचायत सदस्य विजय भाबोर, जिला पंचायत सदस्य ममता हटीला, आलीराजपुर कांग्रेस के पूर्व जिला महासचिव सुरपाल अजनार, सोंडवा जनपद पंचायत अध्यक्ष रेवली गरासिया, उदयगढ़ क्षेत्र के नेता कमरू अजनार के पार्टी छोड़ने से हतप्रभ नेता स्थिति संभालते, उसके पहले ही धार से पूर्व सांसद व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी ने भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। यही नहीं, इंदौर में संजय शुक्ला और विशाल पटेल जैसे पूर्व विधायकों के साथ ही महू के अंतर सिंह दरबार भी कांग्रेस को झटका दे गए।

नहीं थम रही नेताओं की खींचतान- इतने बुरे दौर से गुजरने के बाद भी कांग्रेस नेताओं के बीच आपसी खींचतान में कमी नहीं आई। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी खेमे की खिलाफत कमलनाथ खेमे के नेताओं द्वारा जारी है। प्रत्याशी चयन को लेकर भी प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष के गुटों के बीच हुई हालिया बयानबाजी ने भी कार्यकर्ताओं को आहत किया था। अक्षय बम के भाजपा में जाने के बाद कांग्रेस नेताओं ने एक बार फिर प्रदेश के नेताओं पर टिकट वितरण में धनबल को प्रमुखता देने जैसे आरोप लगाना शुरू कर दिए।

सिंगल यूज प्लास्टिक के संबंध में कार्यशाला : शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने का लिया संकल्प

1 सप्ताह में सिंगल यूज प्लास्टिक का निपटान करे, अन्यथा होगी 1 लाख तक की चालानी कार्यवाही- आयुक्त

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त बनाने के उद्देश्य से सीटी बस ऑफिस में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर आयुक्त, अधीक्षण यंत्री, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, स्वास्थ्य अधिकारी, प्लास्टिक निर्माता एवं विक्रेता तथा अन्य उपस्थित थे। आयुक्त वर्मा ने कहा कि इंदौर शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने के साथ ही पर्यावरण

सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए, निगम द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। आयुक्त वर्मा द्वारा शहर के प्लास्टिक निर्माता व विक्रेता को संबोधित करते हुए, सिंगल यूज प्लास्टिक की श्रेणी में आने वाले प्रोडक्ट के संबंध में विस्तार से प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई तथा कौन-कौन से प्रोडक्ट इस श्रेणी में आते है और कौन से नहीं आते है। इसके साथ ही आयुक्त द्वारा निगम अधिकारियों को सिंगल यूज प्लास्टिक की जांच के संबंध में किस प्रकार से बार कोड को स्कैन करने, किन-किन दस्तावेजों की जांच कराने के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। आयुक्त वर्मा ने समस्त प्लास्टिक निर्माता एवं विक्रेताओ से अपील की है कि आगामी 1 सप्ताह में अपने-अपने संस्थान/गोडाउन की जांच करें और किसी प्रकार की सिंगल यूज प्लास्टिक अगर संस्थान/गोडाउन में हो तो उसका स्वयं निपटान कर लेवे, अन्यथा निगम द्वारा एक सप्ताह के पश्चात जांच के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक पाया जाता है तो संबंधित संस्थान के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही करते हुए, रुपये 1 लाख तक का स्पॉट फाइन की कार्यवाही की जावेगी।

संक्षिप्त समाचार

एयरटेल पेमेंट्स बैंक के लिए 2023-24 कई मायनों में उल्लेखनीय साल: सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरटेल पेमेंट्स बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनुब्रत बिस्वास ने वित्त वर्ष 2023-24 को 'उल्लेखनीय साल बताते हुए कहा है कि इस अवधि में उपयोगकर्ताओं की संख्या, राजस्व और लाभ जैसे प्रमुख मानकों पर दहाई अंक में वृद्धि हुई है। बिस्वास ने कहा कि 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 का हिसाब-किताब अभी पूरा नहीं हो पाया है लेकिन उपलब्ध आंकड़ों से राजस्व, उपयोगकर्ता और

लाभ जैसे मानकों पर ऊंचे दहाई अंक में वृद्धि होने की संभावना दिख रही है।

भारती एयरटेल की भुगतान इकाई एयरटेल पेमेंट्स बैंक के आज पूरे देश में लगभग 5,00,000 बैंकिंग सुविधा केंद्र मौजूद हैं। बिस्वास ने कहा कि डिजिटल बैंकिंग की रफ्तार कायम रहने वाली है। उन्होंने कहा, ''शहरी उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या उनके भुगतान और लेनदेन की जरूरतों के लिए द्वितीयक डिजिटल बैंकिंग विकल्प चाहती है। इस कारोबार में हमने पिछले तीन-छह महीनों में नाटकीय उछाल देखा है और इससे राजस्व बढ़ा है। उन्होंने एयरटेल पेमेंट्स बैंक का ग्रामीण बाजारों में वर्चस्व होने का दावा करते हुए कहा, ''ग्रामीण और शहरी दोनों बाजारों को मिलाकर हम अब एक महीने में 10 लाख खाते खोल रहे हैं। यह रफ्तार संरचनात्मक है जिसका मतलब है कि हम अगले कुछ वर्षों को लेकर भी बेहद उत्साहित हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या प्रतिद्वंद्वी पेटीएम पेमेंट्स बैंक के संकट में फंसने के बाद नए खाते खोलने की दर में तेजी आई है, बिस्वास ने कहा कि बी2बी और ग्रामीण व्यवसाय के संदर्भ में स्थिति कमोबेश समान रही है। लेकिन शहरी ग्राहकों की ओर से डिजिटल पक्ष में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। बिस्वास ने कहा कि वह वित्त वर्ष 2024-25 और आने वाले वर्षों में बाजार की वृद्धि की संभावनाओं को लेकर आशावादी हैं। उन्होंने कहा कि भुगतान बैंक को वित्तीय समावेशन और आर्थिक एवं डिजिटल वृद्धि के दम पर मजबूत विकास परिप्रेक्ष्य और अवसर मिलेगा।

डाबर का मार्च तिमाही का शुद्ध लाभ 16.5 प्रतिशत बढ़कर 341.22 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली, एजेंसी। रोजमर्रा के इस्तेमाल के घरेलू उत्पाद (एफएमसीजी) बनाने वाली स्वदेशी कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड का बीते वित्त वर्ष की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 16.55 प्रतिशत बढ़कर 341.22 करोड़ रुपए रहा है। कंपनी ने कहा कि लागत में कमी तथा वितरण नेटवर्क में विस्तार की वजह से उसका मुनाफा बढ़ा है। वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 292.76 करोड़ रुपये रहा था। डाबर इंडिया लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी परिचालन आमदनी मार्च तिमाही में 5.11 प्रतिशत बढ़कर 2,814.64 करोड़ रुपए हो गई है, जो एक साल पहले समान अवधि में 2,677.80 करोड़ रुपए थी। डाबर इंडिया का कुल खर्च मार्च तिमाही में 3.67 प्रतिशत बढ़कर 2,490.43 करोड़ रुपए रहा। डाबर इंडिया की कुल आय मार्च तिमाही में 5.18 प्रतिशत बढ़कर 2,943.49 करोड़ रुपए रही है। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ 6.46 प्रतिशत बढ़कर 1,811.31 करोड़ रुपए रहा है, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 1,701.33 करोड़ रुपए था।

तीन दिन में हुए दो हजार पंजीयन, अन्य राज्यों के विद्यार्थियों की बीएड-एमएड में अधिक रूचि

इंदौर। उच्च शिक्षा विभाग ने एनसीटीई से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर ऑनलाइन काउंसलिंग शुरू कर दी है। मगर वर्तमान सत्र के छात्र-छात्राओं को पंजीयन करवाने में दिक्कत आ रही है, क्योंकि विभिन्न पाठ्यक्रम के रिव्यू रिजल्ट आना बाकी है। ऐसे में अन्य राज्यों के विद्यार्थी बीएड-एमएड में रूचि अधिक दिखा रहे है।महज तीन दिन के भीतर दो हजार पंजीयन हुए है। उसका 60 प्रतिशत प्रदेश के बाहर के छात्र-छात्राओं ने आवेदन किया है। शेष 40 प्रतिशत ऐसे विद्यार्थी हैं, जिन्होंने एक साल के अंतराल के बाद प्रवेश प्रक्रिया में हिस्सा लिया है। अधिकारियों के मुताबिक स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा परिणाम मध्यप्रदेश की किसी भी विश्वविद्यालय ने जारी नहीं किया है।

72 हजारों सीटों पर होगी काउंसलिंग- बीएड-एमएड, बीपीएड-एमपीएड सहित अन्य एनसीटीई पाठ्यक्रमों की 72 हजार सीटों के लिए विभाग ने 1 मई से काउंसलिंग रखी है। मगर स्नातक अंतिम वर्ष के मुख्य और स्नातकोत्तर अंतिम सेमेस्टर के रिव्यू रिजल्ट नहीं आने से कई विद्यार्थी का पाठ्यक्रम में पंजीयन होना बाकी है। वर्तमान सत्र वाले विद्यार्थियों को अस्थायी प्रवेश भी नहीं मिल रहा है। जबकि बीते साल के पास आउट छात्र-छात्राओं का पंजीयन के अलावा दस्तावेज भी अपलोड हो चुके है। इनके सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है। 9 मई तक पंजीयन और 10 मई तक सत्यापन होंगे। उसके बाद विद्यार्थियों की मेरिट बनाई जाएगी। फिर छात्र-छात्राओं को कॉलेज आवंटित होंगे। देवी अहिल्या शिक्षा महाविद्यालय संघ के पदाधिकारी सुनील पांड्या व मोहित यादव ने कहा कि काउंसलिंग शुरू होने से पहले ही विभाग को संघ की तरफ से पत्र दिया था, जिसमें कॉलेज अलॉटमेंट के दौरान विद्यार्थियों के मोबाइल नंबर दर्शाएं जाए। ताकि विद्यार्थियों से संपर्क कर प्रवेश प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी की जाएगी। जिन विद्यार्थियों का रिजल्ट रुका है। वे आए दिन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के चक्कर लगाने को मजबूर है, क्योंकि अभी तक अधिकारियों की तरफ से रिजल्ट जारी करने संबंधित संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। अधिकांश छात्र-छात्राएं रिव्यू रिजल्ट के लिए कई दिनों से परेशान हो रहे है। विश्वविद्यालय प्रशासन का तर्क है कि मूल्यांकनकर्ताओं की निर्वाचन कार्यों में ड्यूटी लगाई है। अगले तीन से चार दिनों में रिजल्ट निकालेंगे।

25 प्रतिशत सीटें आरक्षित- प्रदेशभर के कॉलेजों की 25 प्रतिशत सीटें अन्य राज्यों के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित है, जिसमें यूपी-बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र, दिल्ली से बीएड-एमएड करने आते है। कारण यह है कि बाकी राज्यों की तुलना में मध्य प्रदेश में इन पाठ्यक्रमों की फीस काफी कम है। वैसे हर साल सीटों से अधिक आवेदन आते है। इसके चलते सैकड़ों विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं मिलता है।

CBSE 10-12 board examination results likely to be released after May 20

The Central Board of Secondary Education (CBSE) announced that CBSE class 10th and 12th results are likely to be released after May 20, 2024. According to the notification released by the official board website, cbseresults.nic.in, CBSE results will be out after May 20.

However, the central board has yet to declare any official date and timing to release the board results and it is expected that the results might be out soon. Recently, many fake circulars have been circulated on different social media platforms regarding the dates and timing of results. However, the education board asked students to trust the notice that will be released on the official website of the central board, i.e., cbse.gov.in.

As fake circulars often create chaos among students, a senior board official explained that students should always check the dates mentioned in the notices as the dates mentioned in the fake notices are different from the ones in the signature of the Controller of Examinations.

The central board also shared a list of X (earlier known as Twitter) handles using the name and logo of CBSE.

Students should remember that CBSE only had one official account on X with the handle @cbseindia29. There are plenty of fake accounts like @Cbse_official, @cbseboard, @CBSENEWSINDIA, @CBSEupdates, @CBSE_Results, @cbse_guide, @cbseexamresults, @cbse_news, @CBSE_HQ, @cbse_nic_in, @cbscExam, @CBSEINDIA. Apart from the official websites, students can also check their results through the SMS facility and DigiLocker. CBSE conducted the class 10th and 12th examinations between February 15 and April 2, 2024.

Websites to check CBSE class 10th and 12th scores

cbse.nic.in
cbse.gov.in
cbseresults.nic.in
results.cbse.nic.in
digilocker.gov.in
results.gov.in

Canada Sets new rule for international students, allowing 24 hours per week for off-campus work

Canada has introduced a new rule for international students, including Indian nationals, setting a maximum of 24 hours per week for off-campus work starting in September.

"The temporary policy allowing students to work more than 20 hours per week off campus will come to an end on April 30, 2024, and it will not be extended. This fall, we intend to change the number of hours students may work off campus per week to 24 hours," stated Marc Miller, Minister of Immigration, Refugees and Citizenship, in a press release issued on Monday. Mr Miller said that students coming to Canada must be primarily here to study. Therefore, allowing students to work up to 24 hours per week aims to maintain their focus on their studies while providing the option for employment if needed. "Working off campus helps international students gain work experience and offset some of their expenses. As international students arrive in Canada, we want them to be prepared for life here and have the support they need to succeed. However, first and foremost, people coming to Canada as students must be here to study, not work. We will continue working to protect the integrity of our student program," he said.

The press release mentions findings from recent studies in both the US and Canada, indicating a significant decrease in academic performance among students who work over 28 hours per week. Moreover, it highlighted that working beyond 24 hours per week elevates the likelihood of students dropping out of their programs.

Study Abroad: Working Hours- Many countries that welcome international students impose restrictions on the number of hours they can work while studying. Australia recently revised its policy to permit students to work up to 48 hours every two weeks. In the US, students must satisfy additional requirements before being allowed to work off campus.

In December 2023, the Canadian Government increased the minimum cost-of-living standard that students must meet to qualify for a study permit. This adjustment aims to ensure students are financially prepared for living in Canada and are not overly reliant on employment. International students enrolled in a college program delivered through a public-private curriculum licensing agreement on or after May 15, 2024, will be ineligible for a post-graduation work permit upon graduation. However, those who commenced such a program before May 15, 2024, will still be eligible for a post-graduation work permit, provided they fulfil all other requirements.

ओईसीडी ने बढ़ाया भारत की एफवाए24 जीडीपी ग्रोथ का अनुमान, कहा ग्लोबल मार्केट में बढ़ेगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन ने वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान 40 आधार अंक बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। सार्वजनिक निवेश तेज बने रहने और कारोबारी विश्वास में सुधार की वजह से ओईसीडी ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में तेजी का अनुमान लगाया है।

उच्च आय वाली 38 अर्थव्यवस्थाओं के अंतर सरकारी समूह ने अपने ताजा आर्थिक परिदृश्य में कहा है, 'घरेलू मांग सकल पूंजी सृजन, खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के निवेश से संचालित होगी। वहीं निजी खपत में वृद्धि की रफ्तार सुस्त बनी हुई है। निर्यात में वृद्धि जारी रहेगी। खासकर सेवाओं और सूचना तकनीक व परामर्श क्षेत्र में तेजी रहेगी और भारत की वैश्विक बाजार में हिस्सेदारी में वृद्धि जारी रहेगी और इसे विदेशी निवेश से समर्थन मिलेगा।'

हालांकि एजेंसी ने यह भी कहा है कि निजी खपत कमजोर रहा है, जो ताजा घरेलू उपभोग व्यय सर्वे के शुरुआती निष्कर्षों की पुष्टि करता है। इसमें कहा गया है, 'ईवे बिल, टोल संग्रह और नए वाहन व स्कूटर की बिक्री जैसे कुछ

उच्च आवर्ती संकेतकों से गतिविधियों में तेजी के संकेत मिल रहे हैं। अन्य संकेतकों जैसे डिजिटल भुगतान संबंधी लेनदेन और सीमेंट का उत्पादन पूर्ववत बने हुए हैं।'

ओईसीडी ने कहा है कि राजस्व बढ़ाने में ऋण पर निर्भरता कम करने, व्यय दक्षता में सुधार और मजबूत राजकोषीय नियम जैसे क्षेत्रों में और ज्यादा काम किए जाने की जरूरत है। परिदृश्य में यह भी कहा गया है कि बहुत उच्च स्तर के सार्वजनिक ऋण को देखते हुए मौजूदा हिसाब से वित्तीय समेकन उचित है, जिससे निजी निवेश में रुकावट है।

परिदृश्य में कहा गया है, 'राजकोषीय समेकन जरूरी है, जिसका असर सार्वजनिक निवेश पर पड़ेगा। इसका निजी निवेश की मजबूती पर सिर्फ आंशिक असर पड़ेगा क्योंकि कारोबारी विश्वास सुधरा है। परिवारों के व्यय (खासकर ग्राहकों की विवेकाधीन मांग) में तेजी आने की उम्मीद नहीं है क्योंकि नौकरियों का सृजन निराशाजनक है और ग्रामीण इलाकों में प्रदर्शन सुस्त है और अभी भी वित्तीय स्थिति कमजोर है।'

Study Abroad : Government Of Romania To Offer Scholarships To Indian Students

The Ministry of Education has issued a notification about scholarships being offered to Indian students by the Government of Romania. Under the aegis of the Cultural Exchange Programme, the Government of Romania is awarding scholarships to 20 Indian students for the period 2022-27. The scholarships will be awarded to students for Bachelor's, Master's and Doctoral courses in various university studies or research stages except medical studies. Interested and eligible candidates can submit the application forms by May 26, 2024. The complete details are available on the official website of the Ministry of Education.

Grants awarded- The scholarship grants for Bachelor's and Master will be offered for accredited education programmes in Romanian language. The grants for Doctoral studies can also be offered for accredited education programs in English or French. The grant will cover the tuition and enrolment fees, accommodation in student dormitories within the limit of the allocated subsidy, monthly scholarship allowance, medical assistance in case of medical surgical emergencies and potentially endemic disease. The candidates will also benefit from reduced fares for rail and local public transportation, as applied for Romanian students.

Eligibility criteria- Candidates who do not hold Romanian citizenship or the citizenship of a European Union/Swiss Confederation/European Economic Area member state are eligible for the grant. The applicant must not be benefitting from a scholarship granted by Romania for the same study level. They must have good results namely an average of 7 registered in their previous education degree. Candidates must not be above 35 years old - for Bachelor and Master Studies, and above 45 years old for PhD studies or for post-university studies.

अडानी ग्रुप की छह कंपनियों को सेबी ने भेजा कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की छह कंपनियों को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। इन कंपनियों पर संबंधित पक्ष लेनदेन के कथित उल्लंघन, लिस्टिंग नियमों का पालन न करने और ऑडिटर सर्टिफिकेट्स की वैधता के संबंध में आरोप हैं। इन कंपनियों ने स्टॉक एक्सचेंजे को दी गई रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की अगुवाई वाले इस ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने गुरुवार को कहा कि उसे 31 मार्च को समाप्त तिमाही में दो कारण बताओ नोटिस मिले हैं। साथ ही ग्रुप की अन्य कंपनियों अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, अडानी पावर, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी विल्मर और अडानी टोटल गैस को भी कारण बताओ नोटिस मिले हैं।

इन कंपनियों का कहना है कि उन्हें जो कानूनी राय मिली है, उसके मुताबिक सेबी के नोटिस का उन पर कोई असर होने की संभावना नहीं है। हालांकि, अडानी विल्मर और अडानी टोटल गैस को छोड़कर बाकी सभी कंपनियों के ऑडिटर्स ने एक क्वालीफाइड ओपिनियन जारी किया है। इसके मुताबिक सेबी की जांच के नतीजे भविष्य में इन कंपनियों के फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स को प्रभावित कर सकते हैं। ये नोटिस अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा अडानी ग्रुप पर लगाए गए आरोपों पर सेबी की जांच के बाद जारी किए गए। कारण बताओ नोटिस कोई अभियोग नहीं है। सेबी ने इन कंपनियों से पूछा है कि क्यों उनके खिलाफ मॉनिटरी और कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए

क्या है आरोप

अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड ने बताया कि आरोप है कि कंपनी ने अपेक्षित मंजूरी नहीं ली है और वित्तीय विवरणों/वार्षिक रिपोर्ट में अपेक्षित खुलासा नहीं किया है। समाप्त किए गए अनुबंधों के लिए सुरक्षा जमा को वापस नहीं लेने के कारण कंपनी के मुख्य व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए धन का उपयोग नहीं किया गया और इस प्रकार कंपनी की आचार संहिता का अनुपालन नहीं किया गया। अडानी पावर ने कहा कि उसने सेबी के नोटिस का जवाब दे दिया है। सेबी ने कंपनी पर आरोप लगाया है कि कुछ लेन-देन को संबंधित वर्षों के वित्तीय विवरणों में रिपोर्ट नहीं किया गया था और ऐसे लेन-देन के लिए अपेक्षित मंजूरी नहीं ली गई थी। सेबी ने अगस्त में सुप्रीम कोर्ट को सौंपी अपनी रिपोर्ट में कहा था कि उसने 13 रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन की पहचान की है, जिसकी जांच की जा रही है। जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट में 6,000 से अधिक संबंधित पक्ष लेनदेन पर सवाल उठाए थे। इसके बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। हालांकि ग्रुप ने इन आरोपों का खंडन किया था। हाल के दिनों में ग्रुप के शेयरों में तेजी आई है और उसने हिंडनबर्ग ग्रुप की रिपोर्ट के कारण हुए अधिकांश नुकसान की भरपाई कर ली है। अडानी अभी 99.1 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 13वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 14.8 अरब डॉलर की तेजी आई है।

अमेरिका दो दशक का रेकॉर्ड तोड़ने के करीब, चीन की हालत हुई खस्ता, भारत बन रहा दुनिया की फैक्ट्री!

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। ग्लोबल इकॉनमी में उसकी हिस्सेदारी दो दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंचने की राह पर है। आईएमएफ के मुताबिक ग्लोबल इकॉनमी में अमेरिका की हिस्सेदारी 26 फीसदी पहुंचने का अनुमान है। यह दो दशक में सबसे ज्यादा है। एक दशक पहले देश की हिस्सेदारी यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन के कंबाइंड कंट्रीब्यूशन से ऊपर पहुंची थी। आज वर्ल्ड इकॉनमी में अमेरिका का योगदान यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन के कंबाइंड कंट्रीब्यूशन से पांच फीसदी अधिक हो चुका है। इस बीच ग्लोबल इकॉनमी में चीन की हिस्सेदारी 2021 से लगातार घट रही है। 2024 में इसके 17 फीसदी रहने का अनुमान है। अमेरिका और चीन के बीच अंतर लगातार बढ़ रहा है और अमेरिका कभी भी इतनी मजबूत स्थिति में नहीं था।

करीब दो दशक तक दुनिया की फैक्ट्री रहा चीन आज आर्थिक मोर्चे पर कई तरह की दिक्कतों का सामना कर रहा है। देश की रियल एस्टेट सेक्टर गहरे संकट में है। चीन की इकॉनमी में इस सेक्टर का करीब एक तिहाई योगदान है। रियल एस्टेट के डूबने से बैंकिंग सेक्टर भी गहरे संकट में हैं। विदेशी कंपनियां और निवेशक चीन से मुंह मोड रहे हैं। कोरोना काल के बाद कई विदेशी कंपनियां चाइना प्लस वन की पॉलिसी पर आगे बढ़ रही हैं।

भारत का हिस्सा

साल 2006 में ग्लोबल इकॉनमी में यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन की हिस्सेदारी 30 फीसदी थी जो अब करीब 21 फीसदी रह गई है। चीन की हिस्सेदारी 2006 में पांच फीसदी थी जो 2020 में 19 फीसदी के करीब पहुंच गई थी। लेकिन 2021 से इसमें लगातार गिरावट आई है और इस साल उसके 17 फीसदी रहने का अनुमान है। इस दौरान जापान की हिस्सेदारी भी घटकर चार फीसदी रहने का अनुमान है। साल 2006 में ग्लोबल इकॉनमी में जापान की हिस्सेदारी करीब आठ फीसदी थी। अगर भारत की बात करें तो भारत की हिस्सेदारी ग्लोबल इकॉनमी में लगातार बढ़ रही है। इस साल उसके जापान के बराबर चार फीसदी पर पहुंचने का अनुमान है। भारत अभी की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी है और जल्दी ही उसके जापान को पछाड़ने की उम्मीद है।

वरुथिनी एकादशी पर इन शुभ योग के दौरान करें भगवान विष्णु की पूजा

इस साल वरुथिनी एकादशी 4 मई को मनाई जाएगी। इस दिन भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की पूजा होती है। इस बार यह दिन बेहद शुभ माना जा रहा है क्योंकि ज्योतिष की दृष्टि से इस दिन कई शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। ऐसी मान्यता है कि इस दौरान पूजा करने से अक्षय फलों की प्राप्ति होती है।

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का खास महत्व है। यह दिन श्री हरि के साथ माता लक्ष्मी की पूजा के लिए समर्पित है। वैशाख मास में पड़ने वाली एकादशी तिथि को वरुथिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है, जो साधक इस कठिन व्रत का पालन करते हैं उन्हें धन और वैभव का वरदान मिलता है। इसके अलावा घर खुशियों से भरा रहता है। इस साल यह एकादशी 4 मई, 2024 दिन शनिवार को मनाई जाएगी। वहीं, इस शुभ तिथि पर कई शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। कहा जा रहा है इस दौरान पूजा करने से भगवान विष्णु खुश होते हैं।

इन शुभ योगों में करें भगवान विष्णु की पूजा

वैदिक पंचांग के अनुसार, वरुथिनी एकादशी के दिन त्रिपुष्कर योग, इंद्र योग और वैधृति योग का निर्माण हो रहा है। ज्योतिष की दृष्टि से ये सभी योग बेहद शुभ माने गए हैं। ऐसा कहा जाता है अगर इस दौरान प्रभु विष्णु की पूजा की जाए, तो व्रत का पूरा फल मिलता है। साथ ही भाग्योदय भी होता है। वरुथिनी एकादशी के दिन त्रिपुष्कर योग प्रातः 4 बजकर 3 मिनट पर शुरू होगा। वहीं, इसका समापन शाम 5 बजकर 12 मिनट पर होगा। इसके साथ ही इंद्र योग पूरे दिन रहेगा। इसके अलावा वैधृति योग प्रातः 8 बजकर 24 मिनट से एकादशी तिथि के समाप्त होने तक रहेगा।

इस दिन रखा जाएगा उपवास

इस साल वरुथिनी एकादशी का उपवास 4 मई, 2024 दिन शनिवार को रखा जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, 03 मई, 2024 दिन शुक्रवार को रात्रि 11 बजकर 24 मिनट पर वैशाख माह के कृष्ण पक्ष के एकादशी तिथि की शुरुआत होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन 4 मई, 2024 दिन शुक्रवार को रात्रि 08 बजकर 38 मिनट पर होगा। उदयातिथि को ध्यान में रखते हुए 4 मई को वरुथिनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा।

वरुथिनी एकादशी 2024

तिथि, पारण समय, अनुष्ठान और महत्व

वरुथिनी एकादशी, अद्वितीय महत्व और कहानियों के साथ भगवान विष्णु के व्रत को समर्पित दिन। 4 मई, 2024 को घटित होगा, जो बुरी ऊर्जा से सुरक्षा प्रदान करेगा। इसमें हिंदू धर्मग्रंथ, भगवान शिव, भगवान ब्रह्मा और विशेष पूजा अनुष्ठान शामिल हैं। भक्त एकादशी के इस शुभ दिन पर सख्त उपवास रखते हैं और इस दिन को भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित करते हैं।

व्रत करने के लिए एकादशी को सबसे शुभ दिन माना जाता है। हिंदू धर्म के अनुसार, यह दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है । इस दिन, दुनिया भर में विष्णु भक्त उपवास रखते हैं और विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियाँ करते हैं। वर्ष में कुल 24 एकादशियाँ मनाई जाती हैं और प्रत्येक माह में दो एकादशियाँ शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष के दौरान आती हैं।

प्रत्येक एकादशी का विशेष महत्व होता है और उसकी अलग-अलग कहानी होती है। इस बार वरुथिनी एकादशी होगी, जो 4 मई 2024 को वैशाख माह के कृष्ण पक्ष में आने वाली है।

हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार, हिंदुओं के बीच एकादशी का बड़ा धार्मिक महत्व है। वरुथिनी एकादशी पूर्णिमांत कैलेंडर के अनुसार वैशाख महीने में आती है और अमावस्यांत कैलेंडर के अनुसार यह चैत्र महीने में आती है, जिसे दक्षिण भारत में माना जाता है। भक्त एकादशी के इस शुभ दिन पर सख्त उपवास रखते हैं और इस दिन को भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित करते हैं। वे पूजा और विभिन्न धार्मिक गतिविधियाँ करते हैं। कुछ भक्त ध्यान योग और मेडिटेशन जैसी आध्यात्मिक गतिविधियों में भी शामिल हो जाते हैं और अपने मन को शांत और आराम देने के लिए एक दिन के लिए मौन व्रत रखते हैं। इस एकादशी को बरुथनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन, लोग भगवान विष्णु के वामन अवतार की पूजा करते हैं और ऐसा माना जाता है कि इस एकादशी पर व्रत रखने से लोग किसी भी प्रकार की बुरी ऊर्जा और नकारात्मकता से सुरक्षित रहते हैं।

हिंदी शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि एक दिन भगवान शिव ब्रह्मा जी से क्रोधित हो गए और अपना पांचवां सिर हटा दिया। भगवान ब्रह्मा ने भगवान शिव को श्राप दिया और इस श्राप से मुक्त होने के लिए भगवान विष्णु ने उन्हें वरुथिनी एकादशी व्रत करने का सुझाव दिया। उन्होंने भगवान विष्णु के सुझाव के अनुसार ही किया और इस श्राप से मुक्त हो गए, इसलिए यह माना जाता है कि जो कोई भी सोचता है कि वह वर्तमान जन्म या पिछले जन्म से संबंधित किसी भी प्रकार के श्राप से पीड़ित है या उन्हें लगता है कि उन्होंने किसी के साथ कुछ गलत किया है। जाने-अनजाने में उन्हें श्राप से मुक्ति पाने के लिए श्रद्धापूर्वक इस एकादशी का व्रत करना चाहिए और भगवान विष्णु से क्षमा मांगनी चाहिए। यह भी माना जाता है कि जो भक्त इस दिन पूरे समर्पण के साथ व्रत रखते हैं, भगवान विष्णु उन्हें कठोर तपस्या से प्राप्त फल प्रदान करते हैं।

वरुथिनी एकादशी पूजा अनुष्ठान

सुबह जल्दी उठें और सबसे पहले स्नान करें। उन्हें घर और विशेष रूप से पूजा कक्ष को साफ करना चाहिए जहां वे पूजा करना चाहते हैं। भगवान विष्णु की मूर्ति, लड्डू गोपाल, यदि उनके पास हो तो और भगवान कृष्ण की मूर्ति लें। उन्हें स्नान कराएं और एक लकड़ी के तख्ते पर रखें। उन्हें फूलों, वस्त्रों से सजाएं. दीया जलाएं और उनके माथे पर तिलक लगाएं। फल, तुलसी पत्र, या जो कुछ भी आपने पूजा के लिए तैयार किया है जैसे पंचामृत और घर पर बनी मिठाई रखें। भगवान विष्णु का आशीर्वाद पाने के लिए विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें और विभिन्न मंत्रों का जाप करें। अगले दिन पारण के समय व्रत खोला जाता है। जो लोग सख्त उपवास करने में असमर्थ हैं, वे सात्विक भोजन खा सकते हैं जिसमें फल, दूध से बने उत्पाद, दही के साथ तले हुए आलू शामिल हैं। उन्हें सामान्य नमक की जगह सेंधा नमक का उपयोग करने की सलाह दी जाती है।

मंत्र

- ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय..!!
- श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी हे नाथ नारायण वासुदेवा..!!
- हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे, हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे..!!
- राम राम रामेति रमे रामे मनोरमे, सहस्त्रनाम ततुल्यं राम नाम वरानने..!!
- अच्युतम केशवम् कृष्ण दामोदरम राम नारायणम् जानकी वल्लभम..!!

वरुथिनी एकादशी पर करें मां लक्ष्मी के नामों का मंत्र जप, आर्थिक तंगी होगी दूर

हर वर्ष वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन वरुथिनी एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस वर्ष वरुथिनी एकादशी 04 मई को है। इस दिन भगवान विष्णु एवं धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही एकादशी व्रत रखा जाता है।

इस व्रत के पुण्य प्रताप से जातक के जीवन में व्याप्त सभी दुख और संकट दूर हो जाते हैं। साथ ही घर में सुख, समृद्धि एवं शांति आती है। अगर आप भी अपने जीवन में आर्थिक विषमता से गुजर रहे हैं, तो धन की समस्या दूर करने के लिए वरुथिनी एकादशी पर विधि-विधान से भगवान विष्णु संग मां लक्ष्मी की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय मां लक्ष्मी के नामों का मंत्र जप करें।

वरुथिनी एकादशी के दिन घर पर करें इस विधि से तुलसी पूजा, सभी दुखों से मिलेगा छुटकारा

वैशाख महीने में आने वाली एकादशी तिथि को वरुथिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस दौरान श्री हरि विष्णु के साथ माता लक्ष्मी और देवी तुलसी की पूजा होती है। इस साल यह एकादशी 4 मई को मनाई जाएगी। ऐसा कहा जाता है जो भक्त इस दिन भाव के साथ पूजा-अर्चना करते हैं उनके सभी कष्टों व पापों का नाश होता है।

सनातन धर्म में एकादशी तिथि का खास महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु के साथ मां लक्ष्मी और देवी तुलसी की पूजा होती है। वैशाख मास में पड़ने वाली एकादशी तिथि को वरुथिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है, जो जातक इस कठिन व्रत का पालन करते हैं उन्हें सुख-शांति का वरदान मिलता है। इसके अलावा घर खुशियों से भरा रहता है। इस साल यह एकादशी 4 मई, 2024 दिन शनिवार को मनाई जाएगी। वहीं, अगर इस शुभ तिथि पर देवी तुलसी की पूजा विधि अनुसार की जाए, तो जीवन में धन-वैभव की कभी कमी नहीं रहती है।

कब है वरुथिनी एकादशी

इस साल वरुथिनी एकादशी का उपवास 4 मई, 2024 दिन शनिवार को रखा जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, 03 मई, 2024 दिन शुक्रवार को रात्रि 11 बजकर 24 मिनट पर वैशाख माह के कृष्ण पक्ष के एकादशी तिथि की शुरुआत होगी। वहीं इसका समापन 4 मई, 2024 दिन शुक्रवार को रात्रि 08 बजकर 38 मिनट पर होगा। उदयातिथि को देखते हुए 4 मई को वरुथिनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा।

वरुथिनी एकादशी पर ऐसे करें तुलसी पूजा

- व्रती सुबह उठकर पवित्र स्नान करें और घर की सफाई करें।
- भगवान शालिग्राम को उनके साथ स्थापित करें।
- गंगाजल, पंचामृत और जल चढ़ाएं।
- कुमकुम व गोपी चंदन, हल्दी का तिलक लगाएं।
- तुलसी के पौधे को साड़ी या दुपट्टे और अन्य सामान के साथ खूबसूरती से सजाएं।
- शालिग्राम जी का श्रृंगार करने के लिए पीले वस्त्रों का प्रयोग करें।
- भगवान शालिग्राम और देवी तुलसी को फूलों की माला अर्पित करें।
- इस शुभ अवसर पर कीर्तन और भजन का आयोजन कर सकते हैं।
- विभिन्न सात्विक भोग प्रसाद सामग्री अर्पित करें।
- वैदिक मंत्रों का जाप करें।
- देवी तुलसी और भगवान विष्णु की आरती करें।
- सभी अनुष्ठानों को पूरा करने के बाद प्रसाद को परिवार के सदस्यों के बीच बांटे।
- पूजा में हुई गलती के लिए क्षमा प्रार्थना करें।
- अगले दिन अपना व्रत खोलें।

भगवान श्रीकृष्ण ने दिया हर रिश्ते को महत्व

भगवान श्रीकृष्ण के हजारों सखा या कहें कि मित्र थे। श्रीकृष्ण के सखा सुदामा, श्रीदामा, मधुमंगल, सुबाहु, सुबल, भद्र, सुभद्र, मणिभद्र, भोज, तोककृष्ण, वरूथप, मधुकंड, विशाल, रसाल, मकरन्द, सदानन्द, चन्द्रहास, बकुल, शारद, बुद्धिप्रकाश, अर्जुन आदि थे। श्रीकृष्ण की सखियां भी हजारों थीं। राधा, ललिता आदि सहित कृष्ण की 8 सखियां थीं। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार सखियों के नाम इस तरह हैं- चन्द्रावली, श्यामा, शैव्या, पद्मा, राधा, ललिता, विशाखा तथा भद्रा। कुछ जगह ये नाम इस प्रकार हैं- चित्रा, सुदेवी, ललिता, विशाखा, चम्पकलता, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और सुदेवी। कुछ जगह पर ललिता, विशाखा, चम्पकलता, चित्रादेवी, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और कृत्रिमा (मनेली)। इनमें से कुछ नामों में अंतर है। इसके अलावा भौमासुर से मुक्त कराई गईं सभी महिलाएं कृष्ण की सखियां थीं। द्रौपदी भी श्रीकृष्ण की सखी थीं। श्रीकृष्ण ने सभी के साथ अंत तक मित्रता का संबंध निभाया।

प्रेमी कृष्ण

कृष्ण को चाहने वाली अनेक गोपियां और प्रेमिकाएं थीं। कृष्ण-भक्त कवियों ने अपने काव्य में गोपी-कृष्ण की रासलीला को प्रमुख स्थान दिया है। पुराणों में गोपी-कृष्ण के प्रेम संबंधों को आध्यात्मिक और अति श्रांगारिक रूप दिया गया है। महाभारत में यह आध्यात्मिक रूप नहीं मिलता, लेकिन पुराणों में मिलता है। उनकी प्रेमिका राधा, रुक्मिणी और ललिता की ज्यादा चर्चा होती है।

पति कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण की 8 पत्नियां थीं- रुक्मिणी, जाम्बवंती, सत्यभामा, मित्रवंदा, सत्या, लक्ष्मणा, भद्रा और कालिंदी। इनसे श्रीकृष्ण को लगभग 80 पुत्र हुए थे।

भाई कृष्ण

कृष्ण की 3 बहनें थीं- एकानंगा (यह यशोदा की पुत्री थीं), सुभद्रा और द्रौपदी (मानस भगिनी)। कृष्ण के भाइयों में नेमिनाथ, बलराम और गद थे।

श्रीकृष्ण के माता पिता

श्रीकृष्ण के माता पिता वसुदेव और देवकी थे, परंतु उनके पालक माता पिता नंदबाबा और माता यशोदा थीं। श्रीकृष्ण ने इन्हीं के साथ अपनी सभी सौतेली माता रोहिणी आदि सभी के सात बराबरी का रिश्ता रखा।

अन्य रिश्तों में श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण ने अपनी बुवाओं से भी खूब रिश्ता निभाया था। कुंती और सुतासुभा से भी रिश्ता निभाया। कुंती को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्रों की रक्षा करूंगा और सुतासुभा को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्र शिशुपाल के 100 अपराध क्षमा करूंगा। इसी प्रकार सुभद्रा का विवाह कृष्ण ने अपनी बुआ कुंती के पुत्र अर्जुन से किया था। उसी तरह श्रीकृष्ण ने अपने पुत्र साम्ब का विवाह दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा से किया था। श्रीकृष्ण के रिश्तों की बात करें तो वे बहुत ही उलझे हुए थे। श्रीकृष्ण ने अपने भांजे अभिमन्यु को शिक्षा दी थी और उन्होंने ही उसके पुत्र की गर्भ में रक्षा की थी।

शत्रुता का रिश्ता

इसी तरह श्रीकृष्ण ने अपनी शत्रुता का रिश्ता भी अच्छे से निभाया था। उन्होंने कंस, जरासंध, शिशुपाल, भौमासुर, कालय यवन, पौंड्रक आदि सभी शत्रुओं को सुधरने के भरपूर मौका दिया और अंत में उनका वध कर दिया।

रक्षक कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण ने किशोरावस्था में ही चाणूर और मुष्टिक जैसे खतरनाक मल्लों का वध किया था, साथ ही उन्होंने इंद्र के प्रकोप के चलते जब वृंदावन आदि ब्रज क्षेत्र में जलप्रलय हो चली थी, तब गोवर्धन पर्वत अपनी अंगुली पर उठाकर सभी ग्रामवासियों की रक्षा की थी।

शिष्य कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनी थे। उनका आश्रम अवंतिका (उज्जैन) में था। कहते हैं कि उन्होंने जैन धर्म में 22वें तीर्थंकर नेमीनाथजी से भी ज्ञान ग्रहण किया था। श्रीकृष्ण गुरु दीक्षा में सांदीपनी के मृत पुत्र को यमराज से मुक्ति कराकर ले आए थे।

बॉक्सिंग चैंपियनशिप

युवा मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी

● चार भारतीय सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजों मांदेंगबाम जादुमणि सिंह, निखिल, अजय कुमार और अंकुश ने गुरुवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पुरुष अंडर-22 सेमीफाइनल में जगह बनाई।

जादुमणि ने 51 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में भूटान के फुंटशो किनले को 5-0 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। निखिल (57 किग्रा) ने भी इसी तरह का दबदबा बनाया और उज्बेकिस्तान के बख्तियोरोव अयूबखोन को 4-0 से शिकस्त दी। अजय (63.5 किग्रा) और अंकुश (71 किग्रा) ने रेफरी के मुकाबले रोकने (आरएससी) पर अपने-अपने मुकाबले जीते। अजय ने मंगोलिया के दमदिंडोरज पी के खिलाफ पहले दौर में ही मुकाबला जीता, जबकि अंकुश ने कोरिया के ली जू सांग के खिलाफ तीसरे दौरे में जीत दर्ज की।

आशीष हालांकि पुरुषों के 54 किग्रा क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया के ओयुन एर्डेन ई के खिलाफ 2-3 से हार गए। बुधवार देर रात आर्यन (92 किग्रा), निशा (52 किग्रा), आकांक्षा फलसवाल (70 किग्रा) और रुद्रिका (75 किग्रा) ने युवा वर्ग में अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज की थी।

हममें से किसी ने अपना विकेट जानबूझकर नहीं गंवाया: रियान पराग

हैदराबाद, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से एक रन से हार का सामना करने के बाद, इन-फॉर्म बल्लेबाज रियान पराग ने इस बात से इनकार किया कि कुछ बल्लेबाजों ने, जिनमें वह भी शामिल हैं, निर्णायक मोड़ पर अपने विकेट जानबूझकर गंवाए।

शुरुआती ओवर में जोस बटलर और संजू सैमसन को खोने के बाद, पराग और यशस्वी जायसवाल ने जवाबी हमले में तीसरे विकेट के लिए 134 रन जोड़े और एक प्रभावशाली जीत की ओर अग्रसर थे। लेकिन जायसवाल 40 गेंदों में 67 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पराग 49 गेंदों में 77 रन बनाकर आउट हुए और वहां से आरआर को इस सीजन की दूसरी हार झेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

पराग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे नहीं लगता कि हममें से किसी ने भी अपना विकेट फेंका है। जायसवाल ने उस स्कूप की कोशिश की क्योंकि नटराजन अच्छी धीमी बाउंसर फेंक रहे थे इसलिए उन्होंने अगली गेंद यॉर्कर समझकर यह शॉट खेला। मैंने भी सिक्स लगाने की कोशिश की और गेंद मिस हुई लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमने अपने विकेट फेंके, अंत तक टिके रहना अच्छा होता।

हम दोनों की भी योजना यह थी। पराग ने यह भी कहा कि भुवनेश्वर कुमार, पैट कमिंस और नटराजन ने आखिरी पांच ओवरों में अच्छी गेंदबाजी करके आरआर को जीत से वंचित कर दिया। पराग ने कहा, मैं काफी आश्वस्त था लेकिन आपको उन्हें इसका श्रेय देना होगा कि उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की। यह उनका घरेलू मैदान है, उन्होंने ऐसी गेंदबाजी की जैसे उन्हें पता हो कि विकेट कैसे रिएक्ट करेगी। आपको इसका श्रेय भुवनेश्वर कुमार, नटराजन और कमिंस को देना होगा। आईपीएल 2024 की दस पारियों में, पराग ने 159.14 की स्ट्राइक-रेट के साथ 58.43 के औसत से 409 रन बनाए और प्रतियोगिता में चौथे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। कुछ लोगों ने उनका नाम पुरुष टी20 विश्व कप के लिए भारत की टीम में दावेदार के रूप में भी लिया था, लेकिन पराग को लगता है कि उनका सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है।

पराग ने आगे कहा, मुझे सुधार करने के लिए बहुत से क्षेत्र मिले हैं। मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हूं, अन्यथा मैं मैच समाप्त कर देता। मुझे बहुत सारे क्षेत्रों में सुधार करना है। मैं अपनी गलतियों से सीखने की कोशिश करता हूं और उन्हें दोहराता नहीं हूं। पिछले साल मैं आईपीएल खेलने की दौड़ में भी नहीं था। अब मैंने कुछ अफवाहें सुनी हैं, मैं अब सोशल मीडिया पर नहीं हूं, मैंने यहां-वहां कुछ शोर सुना है।

मुझे खुशी है कि वे अब सही कारणों से मेरा नाम ले रहे हैं। मैं वास्तव में किसी भी चीज़ के बारे में नहीं सोच रहा था। मैं अपनी टीम के लड़कों, खासकर संजू भैया (संजू सैमसन) को विश्व कप टीम में शामिल किए जाने से खुश हूं। यह हमारे देश के लिए बहुत अच्छा होने वाला है और हमें उम्मीद है कि हम इस बार विश्व कप घर ला सकते हैं।

क्रिकेटर डेवोन थॉमस पर लगा 5 साल का बैन

नईदिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने वेस्टइंडीज के डेवोन थॉमस को 5 साल के लिए क्रिकेट से बैन कर दिया है। उन पर श्रीलंका, यूएई और वेस्टइंडीज की क्रिकेट लीग में फिक्सिंग के आरोप लगे थे। जिसे उन्होंने कबूल कर लिया, जिस कारण आईसीसी ने उन्हें सजा दी।

जुर्म कबूल करने के कारण 18 महीने कम हुई सजा

आईसीसी ने बताया कि 34 साल के थॉमस पर श्रीलंका क्रिकेट एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड और कैरेबियन प्रीमियर लीग ने करप्शन के 7 आरोप लगाए थे। थॉमस ने अपने ऊपर लगे आरोपों को कबूल किया, जिस कारण उनकी सजा को 18 महीने कम किया गया। उनकी सजा 23 मई 2023 को शुरू हुई, यहां से 22 मई 2028 तक वह इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट नहीं खेल सकेंगे।

वेस्टइंडीज के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके हैं थॉमस

विकेटकीपर डेवोन थॉमस वेस्टइंडीज के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके हैं। उन्होंने एक टेस्ट, 21 वनडे और 12 टी-20 खेले हैं। उनके नाम 300 से ज्यादा रन हैं। वह पार्ट टाइम बॉलिंग भी कर लेते हैं, उनके नाम 4 विकेट हैं।

भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय विमेंस टीम ने शेफाली वर्मा तथा स्मृति मंधाना की 91 रन की साझेदारी की बदौलत सिलहट में तीसरे टी-20 मैच में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया। इसके साथ ही भारत ने 3-0 की बढ़त बना ली है और सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया है। शेफाली ने 51 और स्मृति ने 47 रन की पारी खेली। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 118 रन का लक्ष्य दिया था। भारत ने 121 रन बनाकर मैच जीता।

टॉस जीत कर भारत ने फील्डिंग चुनी

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। भारतीय गेंदबाजों ने कप्तान के फैसले को सही साबित करते हुए 6.3 ओवर में बांग्लादेश को 46 रन के स्कोर पर पहला झटका दिया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने 55 रन पर दूसरा और 85 के स्कोर पर तीसरा और चौथा विकेट लेकर बांग्लादेश के को बड़ा स्कोर करने से रोक दिया। बांग्लादेश की पूरी टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 117 रन ही बना सकी। बांग्लादेश के लिए सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर ने 27 गेंदों पर 39 रन और कप्तान निगार सुल्ताना ने 28 रनों की पारी खेली। भारत के लिए राधा यादव ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए, जबकि रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर और श्रेयांका पाटिल ने एक-एक विकेट लिए।

शेफाली-स्मृति ने भारत को दिलाई अच्छी शुरुआत

शेफाली और स्मृति ने पावरप्ले में बिना कोई विकेट गंवाए 59 रन जोड़े। 118 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शेफाली और स्मृति मंधाना ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पावरप्ले में बिना कोई विकेट गंवाए 59 रन जोड़े।

जसप्रीत बुमराह को पछाड़कर टी नटराजन ने आईपीएल में कब्जाई पर्पल कैप

हैदराबाद, एजेंसी। मैदान में बेहद शांत दिखने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज टी नटराजन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में पर्पल कैप पर कब्जा कर लिया है. दरअसल, नटराजन ने पर्पल कैप होल्डर की रेस में दिग्गज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पछाड़ा है. मौजूदा आईपीएल का 50वां मैच हैदराबाद में 2 मई को खेला गया. इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने आखिरी गेंद पर राजस्थान रॉयल्स को 1 रन से मात दी.

हैदराबाद की जीत के हीरो भुवनेश्नर कुमार रहे, जिन्होंने आखिरी गेंद पर रोवमैन पॉवेल को आउट कर राजस्थान को जीत दिलाई. सनराइजर्स हैदराबाद के लिए टी नटराजन ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवरों में 35 रन देते हुए 2 विकेट हासिल किए. इसके साथ ही नटराजन इस आईपीएल में फिलहाल सबसे ज्यादा 15 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं. नटराजन ने 8 मैचों में 19.13 के एवरेज और 8.96 की इकोनॉमी रेट से ये विकेट लिए हैं. नटराजन के बाद जसप्रीत बुमराह (14 विकेट), मुस्ताफिजुर रहमान (14 विकेट) हैं. वहीं, हर्षल पटेल, मथीशा , युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, गेराल्ड कोएत्जे, मुकेश कुमार हैं, जिनके संयुक्त रूप से 13 विकेट हैं.

बैडमिंटन

न थॉमस बैडमिंटन और न ही उबेर कप में भारत को मिला कोई पदक, महिलाओं के बाद पुरुष टीम भी हारी

चेंगदू (चीन), एजेंसी। दो साल पहले थॉमस कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम के एच एस प्रणय को दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी यू की के खिलाफ 66 मिनट के मुकाबले में 21-15, 11-21, 14-21 से हार मिली। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम थॉमस कप बैडमिंटन टीम अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाई और क्वार्टर फाइनल में चीन से 1-3 से हार के साथ बाहर हो गई। महिला टीम का अभियान उबेर कप में जापान के हाथों 0-3 से हार के साथ समाप्त हो गया। दो साल पहले थॉमस कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम के एच एस प्रणय को दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी यू की के खिलाफ 66 मिनट के मुकाबले में 21-15, 11-21, 14-21 से हार मिली। सात्विक-चिराग की जोड़ी को दुनिया की नंबर जोड़ी लियांग वेई केंग और वांग चांग के हाथों 15-21, 21-11, 12-21 से हार मिली।

युगल में जीत से चीन को 2-0 से बढ़त मिल गई। उसके बाद निगाह लक्ष्य पर थी, जिन्होंने निराश नहीं किया। अल्मोढ़ा के 22 साल के सेन ने

दुनिया के छठे नंबर के ली शी फेंग को 13-21, 21-8, 21-14 से हराकर स्कोर 1-2 कर दिया लेकिन युगल में ध्रुव और साई की दुनिया की 11वें नंबर की रेन जियांग यू और ही जी टिंग से 10-21, 10-21 की हार के साथ भारत की उम्मीदें खत्म हो गईं।

उबेर कप में जापान ने 3-0 से हराया

इससे पहले उबेर कप में अश्मिता चालिहा और ईशारानी बरुआ के संघर्षपूर्ण खेल के बावजूद भारत की युवा महिला टीम को जापान के हाथों 0-3 से हार मिली। इस टूर्नामेंट में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू ने हिस्सा नहीं लिया था। बावजूद इसके भारत ने ग्रुप मैचों में कनाडा और सिंगापुर को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

गुरुवार को जापान के खिलाफ अश्मिता को अया ओहरी के खिलाफ 10-21, 22-20, 15-21 से हार मिली। बीस साल की ईशारानी दुनिया की पूर्व नंबर एक नोजोमी ओकुहारा से 15-21, 12-21 से हार गईं। युगल में प्रिया और श्रुति मिश्रा को दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी नामी मातसुयामा और चिहारू शिदा ने 21-8, 21-9 से हराया।

गुड बैड अग्ली में तीन अलग-अलग लुक में धमाल मचाने को तैयार अजित

साउथ सुपरस्टार अजित कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म विदा मुयार्ची के निर्माण में व्यस्त हैं। बीते कुछ समय पहले अभिनेता ने अपनी अगली फिल्म गुड बैड अग्ली की जानकारी साझा की थी। अभिनेता अपनी नई फिल्म के लिए निर्देशक अधिक रविचंद्रन के साथ सहयोग कर रहे हैं। वे जल्द ही अपने दूसरे प्रोजेक्ट गुड बैड अग्ली पर काम शुरू करेंगे। अब इस फिल्म से अभिनेता के लुक पर बड़ी जानकारी सामने आई है। निर्माताओं ने कुछ समय पहले फिल्म का पहला पोस्टर और शीर्षक जारी किया था, जिसके बाद से फैंस के बीच उत्साह बढ़ गया था। प्रशंसक इस परियोजना के बारे में अधिक जानने के लिए उत्सुक हैं। वहीं अब फिल्म में अभिनेता के किरदार को लेकर नई जानकारियां सामने आईं। इससे पहले खबर आई थी कि अजित अधिक रविचंद्रन की फिल्म गुड बैड अग्ली में ट्रिपल रोल निभाएंगे। अजित तीन किरदार निभाएंगे, इस पर चर्चा पहले से ही है, लेकिन अब वे तीनों किरदार कैसे होंगे, इसका खुलासा हो चुका है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित फिल्म में तीन अलग-अलग लुक में होंगे। नमक और काली मिर्च वाले लुक के अलावा अजित कथित तौर पर काले बालों के साथ एक युवा लुक में नजर आएंगे और कुछ हिस्सों में वे पोनीटेल के साथ नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि निर्देशक अधिक रविचंद्रन ने अजित के लिए एक ठोस चरित्र-चित्रण तैयार किया है। मुख्य महिला किरदार के बारे में विवरण अभी तक सामने नहीं आया है। कुछ दिन पहले अफवाह उड़ी थी कि श्रीलीला इस बड़ी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, लेकिन अभी तक कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है। कहा जा रहा है कि फिल्म का नाम अभिनेता के किरदारों का परिचय देता है। गुड बैड अग्ली अभिनेता के तीन किरदार की झलक है। तीनों किरदारों में खरा उतरने के लिए अभिनेता पूरी मेहनत कर रहे हैं और तैयारी में लगे हुए हैं। यह 18 साल बाद होगा, जब अभिनेता का दर्शकों को ट्रिपल रोल देखने को मिलेगा। अजित को तीन अलग-अलग भूमिकाओं में देखने की खबर ने इस बीच आगामी फिल्म के लिए प्रत्याशा बढ़ा दी है।

बिग बॉस ओटीटी 3 में नजर आ सकती हैं पांड्या स्टोर की मायरा धरती

बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 को लेकर बीच में खबर आई थी कि ये इस साल नहीं आएगा। लेकिन बाद में खुद मेकर्स ने खुलासा किया कि जून के पहले हफ्ते से इसकी शुरुआत हो जाएगी। अब इसमें कौन कंटेस्टेंट्स आएंगे, धीरे-धीरे पर्दा उठया जा रहा है। एक ने तो खुद ही इंटरव्यू दिया है और बताया कि वह इस शो का हिस्सा बनने पर विचार कर रही हैं। मायरा धरती ने खास बातचीत में बताया कि वह बिग बॉस का हिस्सा बनने के बारे में सोच रही हैं। उन्होंने कहा कि वह इस शो का अनुभव करना चाहती हैं, इसलिए इसमें जा सकती हैं। उनकी मां भी उन्हें वहां देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। एक्ट्रेस ने कहा, क्यों नहीं? मुझे नहीं पता कि मैं बिग बॉस पर्सन हूं या नहीं।

नेटफ्लिक्स को कपिल शर्मा ने दिया 25 करोड़ का फटका

नेटफ्लिक्स के नए शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' के पहले एपिसोड के रिव्यू में ही बता दिया था, कपिल शर्मा का जादू ओटीटी पर कतई नहीं चल पाया है। नेटफ्लिक्स ने इस शो को पहले एपिसोड के प्रसारण के पांच हफ्तों में ही बंद करने का फैसला किया है। शो के आखिरी एपिसोड की शूटिंग हो चुकी हैं और जानकारी के मुताबिक इन पांच एपिसोड में ही नेटफ्लिक्स ने कपिल शर्मा पर करीब 25 करोड़ रुपये बहा दिए हैं। कपिल शर्मा इन दिनों कलर्स टीवी के एक अंत्याक्षरी कार्यक्रम का मेजबान बनने की कोशिश में भी हैं, लेकिन उनकी घटती ब्रांड वैल्यू को देखते हुए इस कार्यक्रम के लिए प्रायोजक मिलने की बड़ी चुनौती सामने आ रही है।

स्टैंड अप कॉमेडियन से शो होस्ट और फिर कार्यक्रम निर्माता बने कपिल शर्मा का ओटीटी गेम प्लान पूरा हो चुका है। उनके नए शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' को नेटफ्लिक्स ने बंद करने का फैसला किया। ओटीटी के सूत्रों के मुताबिक इसका आखिरी एपिसोड शूट हो चुका है और उसके बाद ही शो के सेट को हटाना शुरू कर दिया गया।

सूत्र बताते हैं कि इस शो के लिए कपिल शर्मा को करीब पांच करोड़ रुपये प्रति शो के हिसाब से भुगतान किया गया है, जबकि शो में जिस अभिनेता सुनी ग्रोवर की सबसे ज्यादा तारीफ हुई, उन्हें सिर्फ 25 लाख रुपये प्रति एपिसोड मिले हैं। शो को लेकर नेटफ्लिक्स ने किस कदर पैसे बांटे हैं, इसका अंदाजा लगाने के लिए सिर्फ इतना जानना काफी है कि सिर्फ सोफे पर बैठकर हंसने के लिए अर्चना पूरण सिंह को 10 लाख रुपये प्रति एपिसोड दिए जाने के खुलासे ने नेटफ्लिक्स में हंगामा कर दिया है।

गौर करने लायक बात यहां ये है कि नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज टीम ने अपनी बॉस बेला बजरिया के हफ्ते भर पहले भारत आने पर कपिल शर्मा शो की टीम से उनकी खासतौर से मुलाकात कराई थी। लेकिन, बताते हैं कि बेला बजरिया ने ही शो के भारी भरकम बजट के बावजूद दर्शकों में शो को लेकर सकारात्मक माहौल न होने के चलते इसे बंद करने का फैसला भारत से जाते जाते सुना दिया था।

बेला बजरिया के आने से तब नेटफ्लिक्स के मुंबई दफ्तर में काफी जोशीला माहौल देखा गया था रहा। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के कलाकारों में शो के होस्ट कपिल शर्मा के साथ साथ उनके साथी कलाकारों सुनील ग्रोवर, अर्चना पूरण सिंह और राजीव ठाकुर को भी बेला से मिलने का मौका मिला। इस दौरान भारत में नेटफ्लिक्स की वाइस प्रेसीडेंट (कंटेंट) मोनिका शेरगिल और सीरीज हेड तान्या बामी भी इस जश्न में शामिल रहीं।

संक्षिप्त समाचार

माहिरा होम्स केस में ईडी का शिकंजा कसा, कांग्रेस विधायक के दूसरे बेटे की तलाश में हरियाणा से यूपी तक छापे

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब माहिरा होम्स प्रकरण में समालखा से कांग्रेसी विधायक धर्म सिंह छोकर के दूसरे बेटे विकास छोकर की गिरफ्तारी के लिए हरियाणा और उत्तर प्रदेश में उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। वहीं, दूसरी तरफ माहिरा होम्स के खरीदार अधूरी रिहायशी परियोजनाओं के पूरा होने को लेकर चिंतित हैं। शुक्रवार को खरीदारों की तरफ से हरियाणा रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (हरेरा) के बाहर प्रदर्शन किया जाएगा। गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में ईडी ने कहा कि मनी लांड्रिंग मामले में सिकंदर सिंह छोकर को हरिद्वार से गत 30 अप्रैल को गिरफ्तार किया जा चुका है। सेक्टर 68 स्थित माहिरा होम्स के करीब 1500 खरीदारों से वसूली गई करोड़ों रुपये की राशि का दुरुपयोग हुआ है। चार महीने से सिकंदर सिंह छोकर फरार चल रहा था। ईडी ने कहा कि करोड़ों रुपये के फर्जी लेन-देन और खरीदारी की जांच की जा रही है। माहिरा होम्स के निदेशकों ने इस परियोजना की राशि को दूसरी कंपनियों को ऋण के तौर पर दे दिया है। इस राशि से बेनामी संपत्ति, लग्जरी कार, जेवरात बनाए गए हैं। करोड़ों रुपये की राशि को खातों से नकद निकाला गया है। ईडी के बयान के मुताबिक, कांग्रेसी विधायक की बेटी की ऑलीशान शादी भी इस राशि से की है। ईडी अब तक धर्म सिंह छोकर, सिकंदर सिंह छोकर और विकास छोकर के नाम पर 36.5 करोड़ रुपये की संपत्ति को इस मुकदमे के साथ जोड़ चुकी है। ईडी के मुताबिक, अदालत ने कई बार सिकंदर सिंह छोकर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए, लेकिन यह पेश नहीं हुआ। बता दें कि 5 मई तक सिकंदर सिंह छोकर ईडी के रिमांड पर हैं, जिन्हें 6 मई को जिला एवं सत्र न्यायाधीश के सामने पेश किया जाएगा। विधायक धर्म सिंह छोकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ईडी की जांच में शामिल हो चुके हैं। वहीं, इस मामले में दूसरी तरफ माहिरा होम्स के खरीदार अधूरी रिहायशी परियोजनाओं के पूरा होने को लेकर चिंतित हैं।

कारोबारी की कार से मिली मोटी रकम ट्रैफिक कर्मियों ने रख ली, 3 सस्पेंड

नईदिल्ली, एजेंसी। चुनाव आचार संहिता के बीच में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस कर्मियों द्वारा वाहन जांच के दौरान एक कारोबारी की कार से मिली रकम में से एक करोड़ रुपये निकालने का मामला सामने आया है। इस घटना में शामिल आरोपी पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। चुनावी माहौल में दिल्ली के धौला कुआं पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने एक कारोबारी की गाड़ी को जांच के लिए रोक लिया। इसमें रखी रकम से तीन पुलिस कर्मियों ने एक करोड़ रुपये ले लिए। इसकी शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों को मिली तो आरोपी सब-इंस्पेक्टर सहित तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, चुनाव आयोग को सूचित कर यह रकम बरामद कर आयकर विभाग को सौंप दी गई है। सूत्रों का कहना है कि यह रुपये हरियाणा के एक नेता से जुड़े होने का शक है। जानकारी के अनुसार, पुलिसकर्मियों को सूचना मिली थी कि गुरुग्राम के रियल एस्टेट कारोबारी की गाड़ी में तीन करोड़ रुपये ले जाए जाएंगे। उन्होंने धौला कुआं के पास इस गाड़ी को जांच के लिए रोक लिया। बताया जा रहा है कि यह रकम गुरुग्राम के एक नेता के लिए जा रही थी। तलाशी के दौरान पुलिस कर्मियों ने इसमें से एक करोड़ रुपये ले लिए। वहीं बची रकम लेकर कारोबारी का साथी वहां से चला गया। वरिष्ठ अफसरों ने नहीं की कोई कार्रवाई = कारोबारी की तरफ से इस मामले की जानकारी पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। हालांकि, उन्होंने किसी प्रकार की शिकायत करने से इनकार कर दिया। इसके बाद दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने खुद संज्ञान लेकर मामले की जांच शुरू की।

कहीं आपने भी नोएडा में तो नहीं खरीदी जमीन, भूमाफिया कर रहे खेल; अथॉरिटी की लोगों से अपील

नईदिल्ली, एजेंसी।
नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में 22 सेक्टर और छह गांवों में बड़े पैमाने पर अवैध कॉलोनी काट कर लोगों को ठगा जा रहा है। प्राधिकरण ने बुधवार को इन सेक्टर और गांवों की सूची सार्वजनिक कर लोगों से वहां बिना जांच भूखंड न खरीदने की अपील की है। प्राधिकरण ने इन अवैध कॉलोनी काटने वालों को भूमाफिया बताया है। सीईओ द्वारा उनके खिलाफ कार्रवाई का दावा किया जा रहा है।

नोएडा प्राधिकरण की ओर से जारी की गई इस सूचना को प्राधिकरण के कार्यालय में चस्पा किए जाने के साथ ही अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी लगवाया गया है। इसको प्रसारित भी कराया जा रहा है। प्राधिकरण की ओर से जारी सूचना में कहा गया है कि नोएडा के सेक्टर-82, 91, 92, 93, 93ए, 93बी, 101, 102, 104, 105, 106, 107, 108. 110, 136, 137, 141, 142, 143, 143ए, 143बी, 144, गांव सलारपुर, हाजीपुर, गेझा तिलपताबाद, भंगेल बेगमपुर, गढ़ी और शहदरा में कुछ अज्ञात व्यक्तियों और भूमाफिया द्वारा नोएडा प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन पर अवैध कॉलोनियां काटी जा रही हैं।

इन कॉलोनी में अवैध रूप से प्लाटिंग कर उनको बेचा जा रहा है। इस जमीन पर की जाने वाली प्लाटिंग और उसकी खरीद-फरोख्त अवैध है। प्राधिकरण ने लोगों से अपील की कि वह इन अवैध कॉलोनियों में कोई भी भूखंड न खरीदें। इन अवैध कॉलोनियों को

प्राधिकरण द्वारा ध्वस्त किया जाएगा। कॉलोनी काटने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा प्राधिकरण की ओर से तीन गांवों के खसरा नंबर भी जारी किए गए हैं। जहां पर लोगों से जमीन न खरीदने की अपील की गई है। प्राधिकरण के अनुसार सलारपुर में खसरा संख्या 700 से 715, 727, 728, 779, 780, हाजरीपुर में खसरा संख्या 412 व 514 और गांव भंगेल के खसरा संख्या 217, 225, 226, 227 और 239 की सूची जारी कर यहां पर अवैध रूप से जमीनों की खरीद फरोख्त के आरोप लगाए गए हैं। प्राधिकरण की टीम ने तीन दिन पहले इन इलाकों में अवैध निर्माणों के खिलाफ ध्वस्तीकरण अभियान चलाकर नोटिस जारी किए थे। वहां बनी अवैध बिल्डिंगों पर लिखवाया था कि ये बिल्डिंग अवैध हैं। आरोप है कि प्राधिकरण की टीम के लौटते ही वहां पर दोगुनी तेजी से निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। प्राधिकरण ने जहां पर लिखवाया था कि यह बिल्डिंग अवैध हैं, उन्हें भी पोत दिया गया है। अधिवक्ता राम कुमार शर्मा का कहना है कि जहां पर अवैध रूप से बिल्डिंगों की खरीद फरोख्त हो रही है, ऐसी सभी जमीनों के खसरा नंबरों की सूची प्राधिकरण द्वारा रजिस्ट्री विभाग में देकर उनकी रजिस्ट्री बंद कराई जानी चाहिए। इससे वहां पर अवैध रूप से जमीनों के बैनामे नहीं हो सकेंगे।

दिल्ली पुलिस हेड क्वार्टर को भेजा बम की धमकी वाला ईमेल, पुलिस ने शरारती किशोर को पकड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में बम की धमकी का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि अब दिल्ली के ही नांगलोई में कथित धमकी भरा ईमेल भेजने मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में एक किशोर को पकड़ा था, लेकिन नाबालिग होने के चलते पूछताछ कर छोड़ दिया। आरोपी के नाबालिग होने के चलते पुलिस ने उससे जुड़ी जानकारी शेयर नहीं की है। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को दिल्ली पुलिस मुख्यालय को कथित तौर पर एक धमकी भरा ईमेल मिला था। ईमेल भेजने के आरोप में पुलिस ने एक किशोर लड़के को पकड़ा। ईमेल में उसने बाहरी दिल्ली के नांगलोई इलाके में बम लगाए जाने की बात कही थी। इलाके में गहन जांच के बाद पुलिस ने ईमेल भेजने के आरोपी किशोर को पकड़ लिया। किशोर द्वारा यह मेल शरारत के तौर पर भेजा था। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी किशोर से पूछताछ करने और उसकी काउंसलिंग कराने के बाद उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया है। सेंट्रल दिल्ली में जय सिंह रोड पर स्थित दिल्ली पुलिस मुख्यालय नांगलोई से लगभग 18 किलोमीटर दूर है। पीएचक्यू ने एक बयान में कहा, ईमेल सेंडर एक नाबालिग है और इसलिए, उसके हित में और जेजे एक्ट के आदेश के अनुपालन में उसकी पहचान से जुड़ी डिटेल शेयर नहीं की जा सकती है। इसमें कहा गया कि मेल शरारत के तौर पर भेजी गई थी। उचित परामर्श के बाद किशोर को उसके माता-पिता को सौंप दिया गया है। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को 200 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की ईमेल के जरिये धमकी मिलने के मामले में दिल्ली पुलिस ने जांच तेज कर दी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने ई-मेल के सटीक स्रोत का पता लगाने के लिए गुरुवार को रूसी मेल सेवा कंपनी मेल.आरयू से इंटरपोल के माध्यम से संपर्क किया है। दिल्ली पुलिस ने इंटरपोल के जरिये सूचना हासिल करने के लिए सीबीआई को भी पत्र लिखा है। मामले में दर्ज की गई प्राथमिकी में कहा गया है कि विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ई-मेल का इरादा बड़े पैमाने पर दहशत फैलाना और दिल्ली में कानून-व्यवस्था को बिगाड़ना था। अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हालांकि बुधवार को स्कूलों को उनके परिसरों में बम रखे होने की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद पुलिस ने विद्यालय परिसरों की जांच की थी लेकिन वहां से कुछ भी नहीं मिला था।

देश तोड़ने की विदेशी साजिश का हिस्सा थे प्रबीर, न्यूजक्लिक विवाद पर कोर्ट में दिल्ली पुलिस का दावा

नईदिल्ली, एजेंसी।
न्यूजक्लिक विवाद में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पटियाला हाउस कोर्ट को बताया कि न्यूज क्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ चीन से धन लेकर दंगे भड़काने की साजिश का हिस्सा थे। मंगलवार को आरोपपत्र पर संज्ञान लेने की कार्रवाई के दौरान स्पेशल सेल ने आरोप लगाए कि प्रबीर पुरकायस्थ देश को तोड़ने की अंतरराष्ट्रीय साजिश में शामिल थे।

प्रबीर ने कश्मीर और अरुणाचल को देश का हिस्सा न होने और उन्हें विवादित स्थान बनाने के लिए फोरम बनाए। 2020 के दिल्ली दंगों को भड़काने और बनाए रखने, कोविड पर दुष्प्रचार अभियान चलाने, किसानों के विरोध को भड़काने और इसमें शामिल होने के लिए चीन से धन लिया। इतना ही नहीं, पुरकायस्थ कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ के कई कर्मचारियों को सैलरी देते थे।

कश्मीर में विद्रोह की कोशिश = दिल्ली पुलिस का दावा है कि पुरकायस्थ ने कश्मीर में विद्रोह पैदा करने के लिए अपने बेटे प्रतीक पुरकायस्थ की अध्यक्षता में एक कश्मीर सेल का भी गठन किया था। अनुच्छेद 370 हटने के बाद राष्ट्र विरोधी तत्वों को थोड़ी मात्रा में अवैध विदेशी फंड भी दिया जा रहा था।

दिल्ली हिंसा के लिए शरजील को मिला धन

प्रबीर पुरकायस्थ को श्रीलंकाई मूल के अमेरिकी नागरिक नेविल रॉय सिंघम के स्वामित्व वाली विभिन्न कंपनियों से अवैध धन प्राप्त होता था। आरोप लगाया गया कि सिंघम से प्राप्त धन में से पुरकायस्थ ने एक व्यक्ति को 36 लाख रुपये दिए और इसे 2020 के दिल्ली दंगों को भड़काने के लिए शरजील इमाम को देने का निर्देश दिया।

कोविड के दौरान दुष्प्रचार का आरोप

स्पेशल सेल ने आरोप लगाया कि कोविड महामारी के दौरान सिंघम ने पुरकायस्थ को लेख लिखकर एक कैम्पेन शुरू करने का निर्देश दिया था ताकि लोग भारतीय वैक्सीन लेने से बचें। इसने आरोप लगाया कि परिणामस्वरूप कई लोग मरेंगे, सरकार के खिलाफ असंतोष बढ़ेगा और गृह युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर्यटन का बनेगा मुख्य स्थल

नईदिल्ली, एजेंसी।
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में विकसित होने वाली राया हेरिटेज सिटी कई तरह की आधुनिक सुख-सुविधाओं से सुसज्जित होगी। यहां इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेंगी। इसके लिए सिटी में 14 एकड़ में इलेक्ट्रिक बसों का डिपो बनेगा। इससे शहर में यातायात की सुगम व्यवस्था होगी। साथ ही, शहर को प्रदूषण मुक्त भी बनाया जा सकेगा। हेरिटेज सिटी को हराभरा बनाने के लिए 97 एकड़ भूमि को आरक्षित कर यहां ग्रीन पार्क भी विकसित किया जाएगा।

यमुना प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि डीपीआर में इन बिंदुओं पर जोर दिया गया है। यहां पार्किंग की समस्या को दूर करने के लिए 27 एकड़ जमीन सुरक्षित रखी जाएगी। ब्रज परिक्षेत्र के पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए हेरिटेज सिटी के कुल क्षेत्रफल के 65 प्रतिशत हिस्से में सांस्कृतिक एवं मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियां आयोजित होंगी।

शहर में घूमने के लिए लोगों को पार्किंग की सुविधा के अलावा बैट्री संचालित गोल्फ कॉर्ट और ई-रिक्शा आदि की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर को यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए जीरो पॉइंट से 101 किलोमीटर पर बनाए जाने वाली 6.9 किलोमीटर लंबे ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के किनारे 735 एकड़ में विकसित होने वाली हेरिटेज सिटी का खाका अब तैयार कर लिया गया है। यमुना प्राधिकरण की हेरिटेज सिटी से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने की तैयारी है। मथुरा, वृंदावन और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अलावा फिल्म सिटी इसमें अहम भूमिका निभाएंगे। यमुना एक्सप्रेसवे पर सफर करने वालों के लिए हेरिटेज सिटी पर्यटन का मुख्य स्थल होगा। वहीं, वृंदावन को यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण होगा। हेरिटेज सिटी के अंतर्गत आने वाले जल स्रोतों को भी संरक्षित करेगा। तालाब, झील और नदी के आसपास 30 मीटर तक किसी भी प्रकार के निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी। जल स्रोतों को अत्यधिक सुंदर बनाया जाएगा, ताकि यहां घूमने आने वाले लोगों का मनोरंजन हो सके।

पाकिस्तान में बड़ा हादसा, पहाड़ी इलाके से जा रही बस सिंधु नदी के किनारे पलटी

पेशावर , एजेंसी। अधिकारियों ने कहा कि उत्तर पश्चिम पाकिस्तान के गिलगित बाल्टिस्तान क्षेत्र में शुक्रवार को एक यात्री बस पहाड़ी इलाके से फिसलकर खड्ड में गिर गई, जिसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना डायमेर जिले के काराकोरम राजमार्ग पर सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुई, जब बस रावलपिंडी से हुंजा जा रही थी। अधिकारी ने बताया कि चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और बस पलटकर सिंधु नदी के किनारे जा गिरी।घटना के वक्त बस में 43 यात्री सवार थे। अधिकारी ने बताया कि घायलों को चिलास अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने कहा कि सेना के हेलीकॉप्टरों की सहायता से बचाव कार्य

समाप्त हो गए हैं और मृतकों और घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारी ने बताया कि बचाव प्रयास जारी हैं और शवों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। सूत्र ने कहा कि मरने वालों की संख्या और बढ़ने की आशंका है क्योंकि घायलों में से कई की हालत गंभीर है। गिलगित बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री हाजी गुलबार खान ने घटना पर शोक व्यक्त किया और प्रशासन को घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। गिल्टगिट-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फराक ने कहा कि दुर्घटना के बाद चिलास अस्पताल में आपातकाल घोषित कर दिया गया है।

स्कूल-दफ्तर बंद, फ्लाइट्स रद्द... यूएई में आफत बनकर बरस रही बारिश, लोगों को घरों में रहने के आदेश

अबू धाबी , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में बारिश एक बार फिर आफत बनकर आई है। गुरुवार को भारी बारिश और आंधी की वजह से कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद करनी पड़ी। यूएई में भारी बारिश और तूफान के कारण गुरुवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। यूएई स्थित मौसम विभाग ने जानकारी दी कि आज भी यूएई में भारी बारिश का अनुमान है। बुधवार को घोषणा की कि मौजूदा मौसम की स्थिति के कारण देश के सभी सरकारी स्कूलों में आज छात्रों की ऑनलाइन कक्षाएं होंगी। वहीं, ज्यादातर कंपनियों के कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम कर रहे हैं। पार्क और समुद्र तट बंद कर दिए गए हैं। अबू धाबी के कुछ इलाकों में गुरुवार को सड़कों पर जलभराव की सूचना मिली, जबकि जेबेल अली, अल मकतूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट, दुबई इंडस्ट्रियल सिटी, दुबई इन्वेस्टमेंट्स पार्क और जुमेरा विलेज ट्राएंगल में तेज हवाएं चली हैं। बता दें कि 14-15 अप्रैल को भीषण बारिश के चलते अरब प्रायदीप के क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुए थे। इस दौरान दुबई में 1949 के बाद से सबसे अधिक बारिश हुई थी। दुबई की एमिरेट्स एयरलाइन ने संयुक्त अरब अमीरात में खराब मौसम के कारण गुरुवार को कई उड़ानें रद्द करने की घोषणा की।

पीओके में पाक ने बना दिया मौत का कुआं, खतरा देख बंद करना पड़ा नीलम-झेलम प्रोजेक्ट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने एक बार फिर पीओके में बन रहे नीलम-झेलम हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का काम बंद कर दिया है। पाकिस्तान की वॉटर ऐंड पावर डिवेलपमेंट अथॉरिटी (डब्ल्यूएपीडीए) ने 500 अरब रुपये के इस प्रोजेक्ट पर काम रोकने का ऐलान किया है। बता दें कि इस बांध में कई सुरंगें हैं। स्थानीय लोग इसका पहले भी विरोध कर चुके हैं. इसके चलते 2022 में भी एक बार इस प्रोजेक्ट का काम रोक दिया गया था। वहीं पाकिस्तान को इसी प्रोजेक्ट से बड़ी मात्रा में बिजली मिलती है। ऐसे में इसका ऑपरेशन रुकने से पाक में बिजली का संकट गहरा जाता है। वहीं यह प्रोजेक्ट मौत के कुएं से कम नहीं है। पहले ही इसकी दीवारों में दरारें देखी गई थीं जिसकी रिपेयरिंग करवाई गई है। वहीं एक बार फिर इस प्रोजेक्ट में कोई खामी नजर आई है जिसके चलते काम रोका गया है। हालांकि अथॉरिटी की तरफ से यह नहीं बताया गया है कि इसमें क्या दिक्कत आई है।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक प्रोजेक्ट को लेकर अब अंतरराष्ट्रीय जानकारों से सलाह ली जाएगी और इसमें आई खामी को सुधारने की कोशिश की जाएगी। दरअसल 2

अप्रैल को ही इसमें एक सुरंग में पानी के दबाव में बदलाव देखा गया था। जानकारों ने बताया कि 6 अप्रैल को ही 530 मेगावॉट विद्युत संयंत्र को बंद कर दिया गया था। इसके बाद 29 अप्रैल तक इसे सीमित कपैसिटी के साथ चलाया गया। हालांकि अब पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। 29 अप्रैल के बाद इस हेडरेस सुरंग में और ज्यादा प्रेशर बदलने लगा था। खतरे को देखते हुए 1 मई को सुबह प्लांट पूरी तरह बंद कर दिया गया।अब चर्चा है कि 48 किलोमीटर लंबी सुरंग को डीवाटर किया जाएगा। इसके बाद टनल और पूरे प्रोजेक्ट की जांच की जाएगी। बता दें कि इस प्रोजेक्ट का 90 फीसदी हिस्सा अंडरग्राउंड है। इसमें 51.5 किलोमीटर लंबा टनल सिस्टम बनाया गया है। जिसमें से 48 किलोमीटर लंबी हेडरेस है और 3.5 किलोमीटर की टेलरेस है। जुलाई 2022 में बड़ी दरारें नजर आने के बाद प्रोजेक्ट को बंद कर दिया गया था। रिपेयरिंग में 13 महीने का समय लगा था। अगस्त 2023 में एक बार फिर विद्युत का उत्पादन शुरू किया गया। 28 मार्च को ही इसकी कपैसिटी 969 मेगावाट पहुंची थी और 2 अप्रैल को फिर से दिक्कत आ गई।

महिला अधिकार कार्यकर्ता को 11 साल की जेल, जनवरी में सुनाई गई थी सजा

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब में एक महिला अधिकार कार्यकर्ता मनाहेल अल-ओतैबी को महिलाओं के अधिकारों और उनके पहनावे की वकालत करने के लिए 11 साल की सजा सुनाई गई। सीएनएन ने मानवाधिकार संगठनों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। एमनेस्टी इंटरनेशनल और लंदन स्थित सऊदी अधिकार समूह एएलक्यूएसटी के मुताबिक, अल-ओतैबी को 9 जनवरी 2024 को सऊदी अरब के विशेष आपराधिक न्यायालय द्वारा गोपनीय सुनवाई में सजा सुनाई गई, जिसका खुलासा संयुक्त राष्ट्र की जांच के कुछ हफ्तों बाद ही हुआ। सीएनएन के मुताबिक, इन मानवाधिकार संगठनों ने साझा बयान में बताया कि अल-ओतैबी (29 वर्षीय) पर लगे आरोप कथित तौर पर उनके कपड़ों की पसंद और ऑनलाइन सक्रियता से जुड़े हैं, जिसमें सऊदी अरब की पुरुष अभिभावकता वाली प्रणाली को समाप्त करना, खुद के वीडियो साझा करना और बिना अबाया पहने बाहर जाना शामिल है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।